

ऑपरेशन ग्रीन स्ट्राइक के तहत बड़वानी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दुर्गम पहाड़ी एवं जंगल क्षेत्रों में ड्रोन और पैदल सर्चिंग कर 27 क्विंटल से अधिक अवैध गांजे की फसल जळ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की खेती, तस्करी एवं परिवहन के विरुद्ध प्रदेश में लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बड़वानी जिले में अवैध गांजे की खेती के विरुद्ध ऑपरेशन ग्रीन स्ट्राइक के तहत अब तक की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। कार्रवाई में 27 क्विंटल से अधिक गांजे के पौधे बरामद किए गए। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 01 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

यह कार्यवाही पुलिस महानिरीक्षक, ग्रामीण जोन इंदौर, पुलिस उप महानिरीक्षक, निमाड़ रेंज खरगोन तथा पुलिस अधीक्षक



बड़वानी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय

रूप से की जा रही गांजे की खेती के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया गया। टीमों

अधिकारी पुलिस सेंधवा के नेतृत्व में बड़वानी, खरगोन एवं खंडवा जिलों के 400 से अधिक पुलिसकर्मियों की 12 टीमों द्वारा की गई। थाना वरला क्षेत्र के दुर्गम पहाड़ी एवं जंगल इलाकों में अवैध

वन भूमि पर स्थित पाए गए हैं। इस संबंध में वन विभाग से संबंधित पट्टाधारियों/कब्जाधारियों की जानकारी प्राप्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के नेटवर्क के विरुद्ध अभियान को निरंतर प्रभावी बनाया जा रहा है। दुर्गम एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक, आधुनिक संसाधनों तथा विभिन्न जिलों के पुलिस बल के समन्वित उपयोग से ऐसी गतिविधियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

भाजपा कार्यालय पर विराजे रिद्धि-सिद्धि के दाता श्री गणेश



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भाजपा कार्यालय में विधि-विधान के साथ भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद

शंकर लालबानी, विधायक मधु वर्मा एवं गोलू शुक्ला, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती तथा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा कार्यालय की प्रथम मंजिल स्थित सभागृह कक्ष में ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा एवं कोषाध्यक्ष सचिन बंसल ने विधि-विधानपूर्वक पूजन किया। नवग्रह पूजन के पश्चात भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। गणेशजी के विराजमान होने के बाद आरती कर सभी ने उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि भगवान श्री गणेश की कृपा सभी पर बनी रहे। भगवान गणेश रिद्धि-सिद्धि के दाता हैं और वे मध्यप्रदेश के सभी नागरिकों को सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करें। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की क्षमता और शक्ति प्रदान करें। गणेश स्थापना समारोह में अंजू माखोजा, कैलाश शर्मा, महेश ढालिया, जवाहर मंगवानी, कमल वाघेला, रामदास गुर्ग, सुधीर कोल्हे, वासुदेव पाटीदार, राकेश शर्मा, भूपेंद्र सिंह केसरी, भारत पारख, ज्योति तोमर, पद्मा भोजे, वरुण पाल, विशाल यादव, रितेश शर्मा, नितिन शर्मा, दीपांशु खंडेलवाल, थान सिंह सिसोदिया, जीतू कुशवाह, गोविंद पंवार, प्रकाश परवानी, भूपेंद्र चौहान, रानू गर्ग, दीपि हाड़ा, सुधा सुख्यानी, ज्योति पंडित, कंचन गिदवानी और वीना वर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खजराना गणेश मंदिर में शुरु हुआ 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में आज से 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव प्रारंभ हुआ। कलेक्टर सह

अध्यक्ष श्री शिवम वर्मा ने आज खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और दस दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त सह प्रशासक श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारी व मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारी मौजूद थे। मंदिर में महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विशेष साज-सज्जा, पूजन-अर्चन के साथ-साथ भजन संध्याएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

ध्वजा-पूजन और लाडू प्रसादी का वितरण- उद्घाटन दिवस पर ध्वजा-पूजन किया गया और लाडू प्रसादी का वितरण हुआ। श्रद्धालुओं में अपार उत्साह देखने को मिला।

ट्रैफिक वार्डन शुभी जैन से पुलिसकर्मी की बहस, ‘लेडिज जात’ कहने पर जताई आपत्ति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की सड़कों पर ट्रैफिक संभालकर सुर्खियों में रहने वाली ट्रैफिक वार्डन शुभी जैन को लेकर विवाद सामने आया है। ट्रैफिक संभालने के दौरान शुभी का दो पुलिसकर्मियों से विवाद हो गया। बताया गया कि दोनों पुलिसकर्मी एक आरोपी को बाइक पर बैठकर ले जा रहे थे। इसी दौरान सिग्नल पर उनका एक रिक्शा चालक से विवाद हो गया और वे उसकी रिक्शा के फोटो खींचने लगे। विवाद होता देख शुभी जैन मौके पर पहुंचीं। शुभी के मुताबिक, इस दौरान एक पुलिसकर्मी ने उनसे कहा, आप लेडिज जात हो, आप मुझसे बात मत करो। पुलिसकर्मी द्वारा ‘लेडिज जात’ कहकर संबोधित किए जाने पर शुभी ने आपत्ति जताई।

इंदौर नगर निगम के लिए राहतभरी रही लोक अदालत, नागरिकों ने एक ही दिन में जमा किए 92.71 करोड़ रुपये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत नगर निगम के लिए राहतभरी रही। 12 सितंबर को आयोजित इस लोक अदालत में नगर निगम को 97.57 करोड़ रुपये राजस्व के रूप में मिले।

इसमें से 92.71

करोड़ रुपये का राजस्व संपत्तिकर, जलकर और कचरा कर के रूप में आम नागरिकों ने जमा कराया, जबकि इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने 3.36 करोड़ और मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने करीब डेढ़ करोड़ रुपये टैक्स के रूप में जमा कराया। शनिवार देर रात तक नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी



पर करदाताओं की कतारें नजर आने लगी थीं। राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन वर्षा के बावजूद नागरिकों का उत्साह कम नहीं हुआ। 89 करोड़ रुपये सिर्फ संपत्तिकर के रूप में मिले

राष्ट्रीय लोक अदालत में नगर निगम को संपत्तिकर के रूप में लगभग 89 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इसके अलावा जलकर के रूप में लगभग 8 करोड़ रुपये और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शुल्क के रूप में 55 लाख रुपये प्राप्त हुए। नागरिकों की सुविधा को देखते हुए निगम के सभी राजस्व कार्यालय देर रात तक खुले रहे।

होटल में प्रेमिका की मौत के मामले में प्रेमी का सरेंडर, बोला- शराब के नशे में खुद लगाई थी फांसी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपल्याहाना स्थित होटल एलेक्स में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाली सोनिया शर्मा के प्रेमी दीपक खंडेलवाल ने तिलक नगर थाने में सरेंडर कर दिया। घटना के बाद दीपक मोबाइल बंद कर गायब हो गया था। दीपक ने कहा-सोनिया ने शराब पीकर फांसी लगाई थी।

पत्नी को पूछताछ के लिए बुलाया तो पहुंचा थाने- एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्रसिंह के अनुसार नंदा नगर निवासी सोनिया की सदिग्ध अवस्था में मौत हुई थी और दीपक ही उसको अस्पताल ले गया था। शुक्रवार को पुलिस ने उसकी पत्नी



को पूछताछ के लिए बुलाया था। शुक्रवार रात दीपक स्वयं थाने पहुंचा और पूरा घटनाक्रम बताया। दीपक आरोबारी नहीं है।वह पाइप कंपनी में नौकरी करता है।पत्नी की आपत्ति के बाद बना ली थी दूरी

सोनिला से करीब दो साल पूर्व

दोस्ती हुई थी। वह पिंक सिटी(मूलाखेड़ी) स्थित पार्लर में नौकरी करती थी। दोनों एक दूसरे से प्रेम करने लगे और अक्सर इसी होटल में मिलने लगे। दो महीने पूर्व दीपक की पत्नी रानू ने आपत्ति ली और सोनिया के घर पहुंच गई।

इसके बाद दीपक ने दूरी बना ली लेकिन सोनिया मिलना चाहती थी।

डपाने के लिए लगाई फांसी और दब गया गला- घटना के दिन वह होटल पहुंची और शराब पीने लगी। दीपक को बार बार काल लगाए लेकिन उसने मोबाइल बंद कर लिया। करीब 40 मिनट बाद दीपक पहुंचा था। सोनिया ने नशे की अवस्था में दीपक को डपाने के लिए फांसी लगाने की कोशिश की। इस दौरान उसका गला दब गया और बेहोश हो गई। दीपक उसको अस्पताल ले गया लेकिन उसकी मौत हो गई।

घटना से घबरा गया और वह शव छोड़ कर भाग गया।

इंदौर में चार लाख में बेचा करंट अकाउंट, डेढ़ करोड़ के ट्रांजेक्शन में फंसा गिरोह, तीन गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगों को ठगी की रकम घुमाने के लिए बैंक खाते चाहिए तो इंदौर में उनका इंतजाम भी बाकायदा पैसों में हो रहा था। करंट बैंक अकाउंट को चार लाख रुपये में बेचने वाले गिरोह का विजयनगर पुलिस ने पर्दाफाश किया है।



पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले लोगों को बैंक खाते, एटीएम-डेबिट कार्ड और लिंक सिम कार्ड उपलब्ध कराते थे। जांच में ऐसे उपलब्ध कराए गए खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन की जानकारी

सामने आई है। इन्हें एक करंट अकाउंट में करीब 1.50 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन मिला है। गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार- कार्रवाई

ऑपरेशन मैट्रिक्स 2.0 के तहत की गई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अरबाज खान निवासी रजत नगर बड़ला, नदीम खान निवासी हाजी कॉलोनी खजराना और सलमान निवासी रोशन नगर, झलारिया रोड, खजराना को गिरफ्तार किया है।

खाता बेचने के साथ बैंकिंग किट भी देते थे- पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले फ्राडिस्टर्स को अन्य लोगों के नाम से संचालित बैंक खाते उपलब्ध कराए जाते थे। खाते के साथ एटीएम/डेबिट कार्ड और लिंक सिम कार्ड की किट भी दी जाती थी।

शिक्षा के मंदिर में हैवानियत, नीमच के निजी स्कूल में मासूम छात्र को फर्श पर पटका, लात-घूंसें से बेरहमी से पीटा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संस्कारों की दुहाई देने वाले शिक्षण संस्थानों का करूर और अमानवीय चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है।

शहर के संस्कार पब्लिक स्कूल में शिक्षा के मंदिर को कलंकित करने वाली एक ऐसी खोफनाक वारदात सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। यहां कक्षा 8वीं के एक मासूम छात्र नितिन चौहान को स्कूल के प्रिंसिपल विष्णु पंवार ने महज बच्चों की मामूली कहसुनी पर इस कदर बर्बरता से पीटा कि देखने वालों की रूह कांप गई।

छात्र जब कक्षा में बैठकर शांति से खाना खा रहा था, तभी प्रिंसिपल ने उसका कॉलर पकड़ा, उसे हवा में उठाकर फर्श पर दे मारा और लात-घूंसें व थपड़ों की ताबड़तोड़ बौछार कर दी।

इस जानलेवा हमले का CCTV फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने मामले को तत्काल संज्ञान में लिया है। पुलिस अब आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ संगीन धाराओं में शिकंसा कस रही है।

निवाला छीनकर बरपाया कहर-फाड़ दी टी-शर्टदिल को दहला देने वाली यह घटना बीती 12 सितंबर की है। पीड़ित छात्र नितिन चौहान रोज की तरह स्कूल गया था। स्कूल में बच्चों के बीच कुछ सामान्य कहसुनी हुई थी, जिसे बिना समझे प्रिंसिपल विष्णु पंवार सीधे कक्षा में दाखिल हुए। उस वक़्त नितिन अपना टिफिन खोलकर खाना खा रहा था।

आरोपी प्रिंसिपल ने आव देखा न ताव, सीधे मासूम का कॉलर दबोचा और उसे घसीटते हुए क्लासरूम के फर्श पर पटक दिया।

इसके बाद आरोपी ने छात्र पर ताबड़तोड़ लात और घूंसे बरसाए, जिससे उसकी टी-शर्ट तक



तार-तार हो गई। क्लास में मौजूद अन्य नौनिहाल इस खोफनाक मंजर को देखकर दहशत से सहम गए।

छत से नीचे फेंक दूंगा... प्रिंसिपल की धमकी से सहमा था मासूम- पीड़ित छात्र की साहसी मां लता चौहान ने नीमच कैंट थाने सहित पुलिस अधीक्षक के समक्ष लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस शिकायत की एक प्रतिलिपि राज्य मानवाधिकार आयोग, भोपाल को भी प्रेषित की गई है। शिकायत में मां ने जो खुलासे किए हैं, वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। आरोप है कि प्रिंसिपल विष्णु पंवार लंबे समय से नितिन को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। वह मासूम को डराने के लिए अक्सर कहता था कि— तुझे इतना मारेंगे कि छत से नीचे फेंक देंगे और बाद में इसे बच्चों की आपसी लड़ाई बताकर मामला रफा-दफा कर देंगे।

इतना ही नहीं, परिजनों द्वारा ट्रांसफर सर्टिफिकेट मांगने पर छात्र का भविष्य चौपट करने

और किसी अन्य स्कूल में दाखिला न मिलने देने की धमकी भी दी जा रही थी। इस सतत प्रताड़ना के कारण मासूम छात्र गहरे मानसिक आघात (ट्रॉमा) में चला गया है।

सबूत मिटाने की साजिश, मां से भी की अभद्रता- परिजनों का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद जब उन्होंने स्कूल प्रबंधन से सीसीटीवी कैमरे का फुटेज मांगा, तो प्रबंधन ने साक्ष्यों को नष्ट करने की नीयत से कैमरे खराब होने या फुटेज डिलीट होने का आरोप बहाना बना दिया। जब पीड़ित की मां ने इस बर्बरता का कड़ा विरोध किया, तो स्कूल प्रबंधन ने अपनी गलती सुधारने के बजाय उनके

साथ भी घोर अभद्रता और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। SP राजेश व्यास का सख्त रुख- बखशा नहीं जाएगा दोषी- कक्षा के भीतर एक मासूम पर हुए इस बर्बर अत्याचार का वीडियो सार्वजनिक होते ही जिले के प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने बिना किसी देरी के मामले को अपने संज्ञान में लेते हुए कैंट थाना पुलिस को सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। पुलिस अब वायरल वीडियो को मुख्य साक्ष्य मानते हुए लिखित शिकायत के आधार पर बाद संरक्षण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले और कानून को हाथ में लेने वाले ऐसे तथाकथित शिक्षकों या प्रिंसिपलों को किसी भी कीमत पर बखशा नहीं जाएगा।

इथेनॉल प्लांट में युवक की सड़िध मौत के बाद उठे सवाल, दूसरे दिन भी प्रकरण दर्ज नहीं

ग्रामीणों का आरोप, बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के कराया जा रहा था काम, पंचायत अनुमति के बिना हो रहा प्लांट का संचालन, टैक्स भी बकाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ क्षेत्र के ग्राम चंगेरी में स्थापित इथेनॉल प्लांट में कार्यरत एक युवक की सड़िध परिस्थितियों में मौत के बाद अब मामला केवल ह्रादसे तक सीमित नहीं रहा है। युवक की मौत के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था, संचालन के लिए आवश्यक अनुमतियां, पंचायत से स्वीकृति, टैक्स बकाया तथा प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर सोमवार देरा शाम तक प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई। रविवार को मृतक का शव रखकर ग्रामीणों द्वारा फोरलेन पर करीब साढ़े तीन घंटे तक जाम लगाने के बाद प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया था, लेकिन सोमवार को दूसरे दिन भी देरा शाम तक प्लांट संचालक अथवा अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई प्रकरण दर्ज नहीं होने की जानकारी सामने आई। इससे मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। किसान नेता प्रयामलाल जोकचंद का कहना है कि युवक की मौत की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि प्लांट प्रबंधन अथवा किसी अन्य व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं मृतक के परिजन आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग पर भी अड़े हुए हैं।

काम के दौरान मृतक लगने और ऊंचाई से गिरने की बात- जानकारी के अनुसार ग्राम चंगेरी निवासी मनीष पिता गणपत



हालांकि बातचीत के दौरान सहायता राशि और अन्य मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद भी परिजन अपनी मांगों पर कार्रवाई की अपेक्षा लगाए बैठे रहे। मृतक के पिता गणपत ने मांग की है कि मामले में जांच कर जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित उचित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जाए। उनका कहना है कि बेटे की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पूरी जांच होना जरूरी है। इस संबंध में परिजनों द्वारा पुलिस को लिखित आवेदन दिए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

सुरक्षा उपकरणों को लेकर उठे सवाल- घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि रिश्तेदारों और प्लांट संचालक योगेश गर्ग के बीच बातचीत हुई। इस दौरान मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दिए जाने और परिवार की अन्य मांगों को लेकर चर्चा की गई। बताया गया कि मृतक के परिजन परिवार के भविष्य को देखते हुए उचित आर्थिक सहायता की मांग कर रहे थे।

कि मामले की जांच में यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि जिस स्थान पर युवक काम कर रहा था, वहां विद्युत सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं। बिजली के उपकरणों और वायरिंग की स्थिति क्या थी तथा कर्मचारियों को विद्युत अथवा ऊंचाई वाले स्थानों पर काम करने से पहले आवश्यक सुरक्षा प्रशिक्षण दिया गया था या नहीं। हालांकि इन सभी बिंदुओं की जांच होना बाकी है और प्रशासन या पुलिस की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना दुर्घटनावश हुई या इसमें किसी प्रकार की लापरवाही रही।

क्या घटना की रिकॉर्डिंग हुई, सीसीटीवी फुटेज भी अहम- ग्रामीणों ने यह सवाल भी उठाया है कि जिस स्थान पर घटना हुई, वहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे या नहीं। यदि कैमरे लगे थे तो घटना के समय की रिकॉर्डिंग उपलब्ध है या नहीं। उनका कहना है कि सीसीटीवी फुटेज से यह स्पष्ट हो सकता है कि घटना से पहले युवक क्या काम कर रहा था और हादसा किस प्रकार हुआ। घटना के समय मौके पर कौन-कौन कर्मचारी मौजूद थे, घटना के बाद तत्काल क्या कदम उठाए गए और युवक को किस स्थिति में अस्पताल पहुंचाया गया, यह भी जांच का विषय है। परिजनों और ग्रामीणों की मांग है कि यदि सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध है तो उसे सुरक्षित रखकर जांच में शामिल किया जाना चाहिए।

चंगेरी पंचायत से अनुमति होने की बात कही जाती है, जबकि चंगेरी पंचायत स्तर पर चल्दू पंचायत से अनुमति लेने की बात सामने आती है। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि प्लांट की भूमि किस पंचायत क्षेत्र में आती है और प्लांट स्थापना एवं संचालन के लिए किस पंचायत अथवा विभाग से अनुमति ली गई।

जरूरी लाइसेंस और अनुमतियों की जांच की मांग- ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि प्लांट के पास संचालन के लिए आवश्यक सभी वैधानिक स्वीकृतियां हैं या नहीं। इसमें औद्योगिक सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण और अन्य आवश्यक विभागीय अनुमतियों की जांच की मांग की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार यदि प्लांट में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं और ऊंचाई तथा विद्युत से संबंधित कार्य कराए जाते हैं तो सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन होना आवश्यक है। उनका कहना है कि युवक की मौत के बाद संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त जांच कराई जानी चाहिए। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही, सुरक्षा नियमों का उल्लंघन अथवा बिना अनुमति संचालन जैसी स्थिति सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति और विभागीय स्तर पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। युवक की मौत के मामले में पुलिस की जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल की परिस्थितियां और अन्य साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे। इन्हीं के आधार पर घटना के वास्तविक कारणों और किसी की जिम्मेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

काल भैरव श्मशान में 70 पौधों का रोपण, पितृजनों की स्मृति में पौधा लगाने का लिया संकल्प



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। काल भैरव श्मशान समिति अठाना एवं धनवंतरी पौधा बैंक नीमच के संयुक्त तत्वावधान में अठाना स्थित काल भैरव श्मशान परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नीमच एवं अठाना से पहुंचे पर्यावरणप्रेमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा समिति सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के करीब 70 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में नीमच से अध्यक्ष पुष्पलता सक्सेना, सचिव सत्येंद्र सक्सेना, कोषाध्यक्ष एडवोकेट अशोक कुमार सक्सेना, कार्यक्रम संयोजक महेश शर्मा, सेवानिवृत्त प्राचार्य जाजू कॉलेज मीना हरित, सेवानिवृत्त प्रोफेसर साधना सेवक, संतोष चौधरी, सरोज गांधी, रेखा शर्मा एवं प्रदीप वर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अठाना से प्रीतिेश भट्ट, मनीष अग्रवाल, रघुनंदन शर्मा, मोहनलाल आड़ा सहित समिति के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान एक पौधा पितृजनों के नाम अभियान के तहत पौधे लगाए गए तथा उपस्थित सदस्यों ने इन पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनाने का संकल्प लिया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अध्यापक प्रकाश जोशी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण ही पृथ्वी के जीवन का आधार है। वृक्ष केवल हमें ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि मिट्टी, जल, जीव-जंतुओं और मानव जीवन के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित जीवन देना है तो प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। नीमच के महेश शर्मा ने सुंदर गीत प्रस्तुत कर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में जयप्रकाश वांडेला एवं शांतिलाल िचौहान के आतिथ्य में प्रकाश जोशी, प्रमोद शर्मा, सुनील शर्मा, राजेंद्र कुर्कीया, महेश जोशी, सामरमल जैन, अशोक जोशी, पवन बैरागी, तनिक जैन, जीतू भाई, हरिओम माली सहित श्रीमती बिंदु भट्ट, कला बैरागी, सुपना बाई आड़ा, पुष्पा जोशी, सुनीता जोशी, लीला देवी जोशी, सीता देवी शर्मा, चंदा देवी सोनी एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें बड़ा करने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को जिले में होंगे विविध सेवा एवं जनभागीदारी के कार्यक्रम

रक्तदान एवं नेत्र शिविर से लेकर हितग्राही परिवारों के घरों और प्रमुख स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलन तक होंगी गतिविधियां

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा, सहभागिता और जनभागीदारी की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से नीमच जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत 17 सितंबर को विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिलेभर में सेवा एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रमुख गतिविधियां-

- स्वास्थ्य सेवाएं- जिला चिकित्सालय में

रक्तदान एवं नेत्र शिविर आयोजित किए जाएंगे।

- आशीर्वाद का दीया- हितग्राही परिवारों के घरों तथा किलेश्वर महादेव मंदिर, स्मृति धाम, स्वतंत्रता सेनानी मूर्ति चौराहा सहित जिले के प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं प्रतिष्ठित स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा।

- धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल- जिले के प्रमुख मंदिरों, नव-निर्मित मंदिरों एवं धार्मिक परिसरों को -आशीर्वाद का दीया- कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

- आवास एवं जल संरचनाएं- प्रधानमंत्री आवास योजना की कॉलोनियों, अमृत सरोवर

व्यापक जनभागीदारी का लक्ष्य- अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगर पालिका वार्ड में न्यूनतम 500 दीपक तथा प्रत्येक नगर परिवार द्वारा 250 दीपक प्रज्ज्वलित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने संबंधित अधिकारियों को गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक समन्वय एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के माध्यम से जिले में सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता और जनभागीदारी को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा।

माता पिता की सेवा एवं वचन निभाने का प्रण यदि सीखो तो भगवान गणेशजी की तरह - पं. हर्षवर्धन शर्मा, उज्जैन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्री सांवरिया सेठ की असौम कृपा से श्री चिंताहरण बालाजी खेजड़िया धाम के पावन सान्निध्य में समस्त ग्रामवासियों एवं भक्तों द्वारा ग्राम खेजड़िया, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर में भव्य शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है।

शिवमहापुराण कथा के सातवें दिवस में व्यास पीठ से विराजित पं. श्री हर्षवर्धन शर्मा उज्जैन द्वारा कहा गया कि माता पिता की सेवा एवं मां के वचन को निभाने का संकल्प किसी से सीखना हो तो भगवान श्री गणेश जी की तरह सीखो। माता पार्वती द्वारा अपनी सुरक्षा एवं अपने घर आगम में संतान के सुख के लिए मिट्टी से एक छोटा सा बालक बनाया गया, जिसके अंदर अपनी चोर तपस्या की शक्ति से प्राण प्रदान किये एवं माता पार्वती द्वारा भगवान श्री गणेश जी

ही युद्ध कर बैठते हैं। इस युद्ध में भगवान श्री गणेश जी का शीश अलग हो जाता है। इसके कारण मां पार्वती एवं समस्त नवदुर्गा माता क्रोध में आकर भगवान शिव शंकर महादेव के सामने बड़ी गर्जना से अपने पुत्र को जीवित करने के लिए जिद कर बैठते हैं। तब ही भगवान महादेव द्वारा भगवान श्री गणेश जी को अपने आशीर्वाद से हाथी का शीश प्रदान किया एवं भगवान गणेश जी को आशीर्वाद दिया कि इस संसार में कोई भी शुभ कार्य भगवान श्री गणेश जी के आगमन के बिना पूर्ण नहीं होगा। इस संसार में हर शुभ कार्य से पहले भगवान श्री गणेश जी को एवं ऋद्धि सिद्धि के साथ आमंत्रित करना होगा। इसी कारण संसार का कोई भी शुभ कार्य बिना गणेश जी के संभव नहीं। अपने बड़े भैया कार्तिकेय एवं भगवान

श्री गणेश जी के बीच प्रतिस्पर्धा होती है कि जो सबसे पहले पूरी पृथ्वी की परिक्रमा कर मां पार्वती एवं भगवान शिव शंकर महादेव जी का आशीर्वाद प्राप्त करेगा वही विजेता होगा। भगवान कार्तिकेय अपने वाहन मोर पर विराजमान होकर पृथ्वी के भ्रमण पर निकलते हैं लेकिन भगवान श्री गणेश जी मूषक पर सवार होकर कैलाश पर्वत पर ही माता पार्वती एवं भगवान शिव शंकर महादेव जी की परिक्रमा को पूर्ण करते हैं। तब जाकर भगवान ने भक्तों को यह बताया माता पिता से बड़ा कोई संसार नहीं, माता पिता से बड़ी कोई पृथ्वी नहीं, उनसे बड़ी कोई सेवा नहीं। आज बड़ा शुभ दिन है कि हर घर विराजेंगे गणपति बप्पा, हर घर के अंदर भगवान श्री गणेश जी की स्थापना कर बड़े उत्साह पूर्वक भगवान की पूजा करनी चाहिए। भगवान गणेश जी की पूजा अर्पण से ही माता पार्वती एवं भगवान शिव शंकर महादेव का

आशीर्वाद समस्त भक्तों को प्राप्त होगा। भगवान श्री गणेश जी के आगमन का उत्साह बड़ों से ज्यादा बच्चों के दिल में रहता है, बच्चों के सबसे प्रिय भगवान श्री गणेश जी हैं। शिव महापुराण कथा के सातवें दिवस में विश्राम एवं पूर्णाहुति होने पर भव्य पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। समस्त ग्राम वासियों एवं भक्तों द्वारा कथा व्यास पं. श्री हर्षवर्धन शर्मा का भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर पं. श्री शर्मा द्वारा आयोजन समिति के समस्त सदस्यों का सम्मान किया गया। सातवें दिवस की आरती यजमान परम सिंह, बशीलाल जी पटेल, बाबूदास जी बैरागी, पूर्व सरपंच खेजड़िया महेश जी जोशी, शनिदेव मंदिर पुजारी भगवान सिंह जी राठौर, मोहनलाल चौधरी डककरा, लक्ष्मीनारायण जी, दशरथ जी, ब्रजराज सिंह जादौन, चंडबौर सिंह जादौन। समस्त जानकारी मनीष शर्मा द्वारा दी गई।

मोदी के 25 साल: मंदसौर में एक महीने तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान, गांव-गांव पहुंचेगी भाजपा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा अब जन-जन तक पहुंचने की तैयारी में है। जिला भाजपा कार्यालय पर शनिवार को सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग ने प्रेसवार्ता कर सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसौदिया, जिला महामंत्री शिवराजसिंह राणा और मंडिया प्रभारी नितेश जैन मौजूद रहे।

विधायक डंग ने कहा कि आज जब 5 साल सरकार चलाना भी

राशन दिया। आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी औद्यव्यवस्था बन गया है। जिले में 17 सितम्बर से 18 अक्टूबर तक अभियान चलेगा- स्कूलों में प्रतियोगिता - 17 सितंबर से 7 अक्टूबर

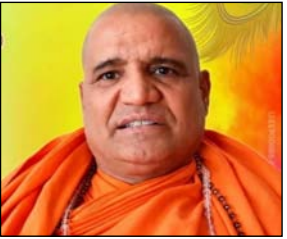
तक विकसित भारत विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता होगी। नुकड़ नाटक - 2 अक्टूबर को गांव-गांव में नमो सेवा अनकही कहानियां के तहत नाटकों का मंचन होगा। आंगनवाड़ी में सम्मान - 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों पर आशा

कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा। सेवा की कहानी - 11404 शक्ति केंद्रों पर लाभार्थियों की 10-10 कहानियां रील के रूप में बनाई जाएंगी। ज्योति कलश यात्रा - 7 अक्टूबर को बाइक, साइकिल और पदयात्रा निकलेगी। वडनगर से काशी तक यात्रा - 250 बाइकों पर 500 कार्यकर्ता वडनगर से जल लेकर काशी विश्वनाथ जाएंगे। 20 में से 13 यात्राएं मध्यप्रदेश से गुजरेंगी। विधायक डंग ने कहा कि यह केवल भाजपा का नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही इसका मूल मंत्र है।

सुवासरा में टीम भगत सिंह का आगाज़, हिंदू संगठनों की तर्ज पर करेगा काम, तीसरे विकल्प के रूप में भ्ररा संगठन

मुख्य वक्ता लुनाखेड़ा बोले- 21वीं सदी का युवा कमजोर नहीं - बैठक के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने सिलसिलेवार ढंग से अपनी बातें रखीं और युवाओं का मार्गदर्शन किया। मुख्य वक्ता लक्ष्मण सिंह लुनाखेड़ा ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि 21वीं सदी का युवा बिकटुल भी कमजोर नहीं है जिस ओर जवानी चलती है, जमाना उसी ओर चलता है। इसलिए राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं को एक मंच पर संगठित होना

राष्ट्रीय संत सत्यानंद स्वामी जी 15 दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रवास पर जाएंगे



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा-मेवाड़ की सीमा पर अरावली की सुरम्य पहाड़ियों के बीच स्थित प्राचीन धार्मिक एवं प्राकृतिक तीर्थ पर्यटन स्थल सुखानंद धाम में तपस्यारत राष्ट्रीय संत एवं दर्शनशास्त्र में पीएचडी श्री सत्यानंद स्वामी जी आगामी 15 दिनों के लिए उत्तर प्रदेश प्रवास पर रहेंगे। संत श्री सत्यानंद स्वामी जी सुखानंद धाम स्थित सत्यानंद आश्रम में आध्यात्मिक साधना, धार्मिक चिंतन एवं सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं।

वेदव्यास पुत्र मुनि सुखदेव की तपोभूमि के रूप में आस्था का केंद्र माने जाने वाले सुखानंद धाम की पावन भूमि से उत्तर प्रदेश के धार्मिक प्रवास पर जा रहे संत श्री सत्यानंद स्वामी जी वृंदावन स्थित सत्यदीप आश्रम में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके साथ ही बनारस, बुलंदशहर, मथुरा सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

संत श्री सत्यानंद स्वामी जी के प्रवचन, आध्यात्मिक चिंतन एवं धार्मिक ज्ञान से देशभर के श्रद्धालु लाभान्वित होते रहे हैं। दर्शनशास्त्र के गहन अध्ययन के साथ ही सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति, अध्यात्म एवं धार्मिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में उनका विशेष योगदान रहा है।

सुखानंद धाम की पवित्र तपोभूमि से उनका उत्तर प्रदेश प्रवास भी धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। श्रद्धालुओं ने बताया कि संत श्री सत्यानंद स्वामी जी के सान्निध्य से सुखानंद धाम के आध्यात्मिक वातावरण को भी नई ऊर्जा मिलती है। 15 दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रवास पूर्ण करने के बाद संत श्री सत्यानंद स्वामी जी पुनः सुखानंद धाम स्थित सत्यानंद आश्रम में उपलब्ध रहेंगे, जहां श्रद्धालु उनके दर्शन एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

सम्पादकीय

ब्रिक्स में मोदी-शी-पूतिन एक मंच पर, पर भारत-चीन-रूस के हितों में एकता नहीं, सिर्फ विरोधाभास

टीवी चैनलों ने खूब शोर मचाया कि 2023 के जी20 के बाद दुनिया के नेताओं का सबसे महत्वपूर्ण सम्मेलन फिर से नई दिल्ली में हो रहा है। इस बार उनके जोश में भी एक अतिरिक्त तड़का रहा। बढ़ा-चढ़ा कर बनाई गई तस्वीरें दिखीं, जिनमें चमकीले रंगों वाले बैकग्राउंड और युद्ध में बजते नगाड़ों के साथ नरेंद्र मोदी, शी चिनफिंग और व्लादीमिर पुतिन एक साथ नजर आए। संदेश तो लगभग साफ था कि यह त्रिमूर्ति ‘बुरे पक्षिम’ के खिलाफ हाथ में हाथ डाल चुकी है। या इसे सीधे डॉनल्ड ट्रंप को ‘हैरियत बताने’ के रूप में समझें। सभी सरकारें, खासकर ताकतवर नेताओं वाली, छवि बनाने के लिए ऐसे सम्मेलनों का इस्तेमाल करती हैं। तीन ताकतवर नेता आपस में अधिक विरोधाभास साझा करते हैं, सामंजस्य नहीं। हर एक की दुनिया देखने की अलग नजर है, और प्रत्येक का विरोधी भी अलग है। एक (भारत) दूसरे का सहयोगी है – और किसी हद तक निर्भर भी है। दूसरा (रूस) तीसरे को अस्तित्वगत विरोधी मानता है। और तीसरा अन्य दोनों को इतना कमजोर देखता है कि वह खेल के नियम तय कर सकता है तथा पहला, दूसरा और तीसरा अंपायर भी बन सकता है। कड़वा तथ्य ये है कि, ऐसी सभी समूहों में, बिक्स सबसे आग्रासंगिक है। हम जानते हैं कि नाटो किसके लिए है, या कम से कम होना चाहिए। आप अन्य समूहों की भी गिनती कर सकते हैं। शांई सहयोग संगठन (एससीओ) बिक्स के सबसे करीब है। लेकिन साठ, चीनी प्रभुत्व लगभग औपचारिक है। एससीओ चीन का बहुपक्षीय संगठन है। इसलिए हम कहते हैं कि एससीओ का भी कोई कामकदम है, चाहे हमें पसंद आए या नहीं। यहां तक कि कुछ महत्वहीन संगठनों जैसे 57 देशों वाले ओआईसी (इस्लामिक सहयोग संगठन), में कम से कम एक जुड़ाव का तत्व इस्लाम तो है।

बिक्स के सदस्यों में साझा क्या है? क्या यह डॉनल्ड ट्रंप या ‘बुरे अमेरिका’ के खिलाफ एक साझा मोर्चा है? बिल्कुल नहीं। पुतिन और ट्रंप एक-दूसरे की प्रशंसा करने वाले हैं। शी चिनफिंग जल्दी ही अमेरिका में होंगे, अपने संबंधों की किचकिच को दूर करने के लिए। उन्होंने ट्रंप को इस बात के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश की है कि वह अपनी रणनीतिक बदलाव की प्रक्रिया अंदर तक ही सीमित रखें। पहले और आखिर तक अमेरिका पर ही ध्यान दें। ताइवान को भूल जाइए।

आइए कुछ विरोधाभास और परस्पर संबंधों की सूची बनाएं। शी के लिए, ट्रंप सबसे बड़ी खबर हैं। वह अमेरिका के गडबंंधनों को कमजोर कर रहे हैं। इन देशों में से कुछ चीन की ओर मुड़ सकते हैं ताकि खतरे का स्तर कम हो सके। तो चीन रियायतें लेगा। अन्य, कमजोर और छोटे देश, खासकर वे जिनकी परिकल्पना (केवल भारत में, इतनी संवेदनशील रूप से) ग्लोबल साउथ के रूप में की जाती है, पहले ही चीन को नया प्रधान समझने लगे हैं और उसको सलाम ठोक रहे हैं। कम से कम शी आपको सार्वजनिक रूप से किसी तरह अपमानित नहीं करेंगे जैसे ट्रंप करते हैं।

शी के लिए, रूस एक विशाल देश है जिसके साथ उनकी सीमा साझा है, जिसमें दुनिया के सबसे ज्यादा नाभिकीय हथियार हैं, पाइपलाइन ऊर्जा का सुरक्षित स्रोत है, और सामरिक परिसंपर्ित है। भारत बिल्कुल अलग श्रेणी में आता है। उसके लिए सीमा का मुद्दा और स्थायी सैन्यकरण है। भारत को व्यापार बढ़ाने के लिए स्थिरता की जरूरत है। और जैसा कि हम जानते हैं, भारत-चीन व्यापार एकतरफा है।

इस समय, 112 अरब डॉलर के स्तर पर, भारत चीनी व्यापार अधिशेष में केवल 10 फीसदी से थोड़ा अधिक योगदान देता है। अमेरिका के साथ अधिशेष घट रहा है जिससे शी विकल्प चाहते हैं। और चाहे चीन को पसंद हो या न हो, भारत ने इस मौके का फायदा उठरया है। अब, अपनी जनसांख्यिकीय समस्या और घटती घरेलू मांग के साथ, चीन को उन व्यापार अधिशेषों की ओर भी ज्यादा जरूरत है। यही वजह है कि शी ने भारत के साथ सीमा पर एक विराम लिया है।

शी की तरह पुतिन भी नाटो के कमजोर होने पर खुश होते हैं। वह या तो सोचते हैं कि यूक्रेन पर कोई समझौता हो जाएगा और वह विजय का ऐलान करेंगे, या लड़इ जाते रहेंगे क्योंकि अमेरिका की यूक्रेन को मदद कम हो रही है और यूरोप भी असहज है। संक्षेप में, ना तो शी दुनिया को अमेरिका के खिलाफ एकजुट कर रहे हैं, और ना ही पुतिन ऐसी किसी मुहिम में शामिल हो रहे हैं। शी के विपरीत, पुतिन को भारत के साथ कोई परेशानी नहीं है।

अपूर्णता के भाव की समाप्ति ही ईश्वर का सामीप्य है



ईश्वर प्रदत्त इस प्रकृति व मानव मात्र के जीवन को सुंदर बनाना ईश्वर का ही कार्य है, क्योंकि जिस चीज को ईश्वर ने ही निर्मित किया है उसमें बदलाव लाना हमारे हाथ में नहीं। फिर यह कैसے और क्यों कहा जाता है कि जीवन को सुंदर बनाना हमारे हाथ में है। यह तो

पहले से ही सुंदर है क्योंकि ईश्वर अपनी हर रचना को जैसी जरूरत है वैसी ही सुंदरता से निर्मित करता है। बस हम मानव की दृष्टि उस सुंदरता को देख नहीं पा रही है क्योंकि हम ऊपरी सुंदरता देखते हैं आंखों से। आंतरिक सौंदर्य जो आत्मिक सौंदर्य है उसे देखने के लिए गहन ध्यान से आत्मा को जागृत करना होगा, तभी हम सृष्टि की कृतियों का आनंद ले सकते हैं।

हम सृष्टि के निर्माता को जिस भी नाम से पुकारें, भगवान कहें, अल्लाह कहें, गॉड कहें, प्रकृति कहें या अन्य किसी नाम से जाने, उसने सृष्टि को इसी तरह से बनाया है कि उसमें कोई भी कमी है ही नहीं। वह अपने आप में परिपूर्ण है। अपने आप में सुंदर है।

21 दिसम्बर 1986 के एक प्रवचन में श्री माताजी कहती हैं, परमात्मा ने इतनी सुन्दर सृष्टि की रचना किसलिए की है, यह एक प्रश्न हजारों वर्षों से पुछा गया है। इसका कारण समझना अत्यंत सरल है। जिस सुन्दरता की रचना की जाती है, वह सुन्दरता स्वयं अपने आप को नहीं देख सकती। ठीक इसी तरह, परमात्मा, जो कि स्वयं सुंदरता का स्रोत है, वह परमात्मा अपनी स्वयं की सुंदरता को नहीं देख सकते, जैसे एक मौती अपनी सुंदरता देखने के लिए अपने अंदर प्रवेश नहीं कर सकता, जैसे आकाश अपनी स्वयं की सुंदरता को नहीं समझ सकता। सितारे अपनी सुंदरता को नहीं देख सकते। सूर्य अपनी चमक को नहीं निहार सकता। इसी तरह से, सर्वशक्तिमान परमात्मा भी अपने स्वयं के अस्तित्व को नहीं देख सकते। उस परमात्मा के एक दर्पण की जरूरत होती है। और यही कारण है कि उस परमात्मा ने इस सुन्दर सृजन की रचना अपने लिए एक दर्पण के रूप में की है। यानि जैसे हम स्वयं में सौंदर्य तलाशते हैं वैसे ही ईश्वर भी हममें स्वयं के सौंदर्य को तलाशते है।

इसीलिए हमारी सभी आवश्यकताओं को प्रकृति पूरा करती है। जितनी भी आवश्यकता या बुराई हम देखते है या उत्पन्न होती रहती है, वे सभी हमारे ही द्वारा बनाई गई हैं । साथ ही, हमारा मस्तिष्क इस रूप में विकसित हो जाता है कि वह हमेशा भविष्य को देखता है। हमारे मस्तिष्क के हमेशा ही भविष्य में ही दौड़ते रहने के कारण हमारे अंतर को हमेशा एक अपूर्णता की भावना घेर रहती है।

आधुनिक जीवन के तरीकों ने, भौतिकवादिता ने मनुष्यता पर बहुत नकारात्मक प्रभाव डाले हैं, अपूर्णता के एहसास ने इस भावना को और गहरा कर दिया है। साथ ही, यह गलत विश्वास भी दिलाया है कि इस अपूर्णता को पूर्ण करने के लिए आपका अधिक धन कमाना होगा, अधिक भौतिक वस्तुओं का अर्जन करना होगा।

यदि आप जीवन की सुंदरता को देखना चाहते हैं तो, थोड़े दिनों के लिए, केवल कुछ सप्ताह के लिए एक प्रयोग करके देख सकते हैं। अपने मन पर, अपने विचारों पर नजर रखने की कला, और जब भी मन भविष्य की ओर भागे तो उसे रोकने की कला सीखते हैं। एक ऐसी विधि जब हम स्वयं से कहने लगेंगे कि मैं पूर्ण हूं, मेरे जीवन में कोई भी कमी नहीं है, मैं खुश हूं, मुझे और किसी भी भौतिक वस्तु की तलाश नहीं है।

हर युग अपनी पहचान अपने निर्माणों से छोड़ता है; लेकिन आने वाला समय यह पूछेगा कि इन निर्माणों ने ईसान की जिंदगी को कितना बेहतर बनाया। पुराने इंजीनियरों ने सड़कें, बाँध, रेल और कारखाने बनाए; नई पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल दुनिया रच रही है। कभी उसके हाथ में मिट्टी, पथर और लोहा था, आज डेटा, एल्गोरिथ्म और स्क्रीन हैं। साधन बदल गए, जिम्मेदारी वही है—तकनीक जीवन आसान बनाए, ईसान को उसका गुलाम नहीं। इंजीनियर्स डे केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। हर नए निर्माण से पहले सवाल होना चाहिए—क्या यह केवल बन सकता है, या बनना भी चाहिए? क्योंकि राष्ट्र की वास्तविक प्रगति निर्माणों की ऊँचाई से नहीं, लोगों के सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन से मापी जाती है।

पुराने इंजीनियरों का समय कम चमकीला था, शायद इसलिए उनमें चमक अधिक थी। वे नदी के किनारे उसकी चाल समझते, खेतों की धूल में उतरते, पहाड़ काटते और नींव में जाकर देखते थे कि धरती कितना भार सह सकती है। उनकी गणना में बारिश, पानी, मिट्टी और भार का हिसाब होता था; ठेकेदार कामीरन नहीं। वे सड़क बनाते थे तो श्रेय सड़क को देते थे, खुद को नहीं। उनकी डायरी में आँकड़े थे, आत्मप्रचार नहीं। राष्ट्र उनके लिए कोई प्रस्तुति नहीं, निर्माणधीन जिम्मेदारी था। वे जानते थे कि एक गलत कोण वर्षों की मेहनत को मलबे में बदल सकता है। इसलिए इंजीनियरिंग उनके लिए नौकरी

हुनर तय करेगा भविष्य

आज भारत के किसी भी जाँब फेंयर में चले जाइए, आपको दो तरह के युवा दिखाई देंगे। एक वह जिसके पास डिग्रियों और प्रमाण पत्रों से भरी फाइल है। दूसरा वह जिसके पास डिग्रियां शायद कम हों, लेकिन वह वेबसाइट बना सकता है, डाटा का विश्लेषण कर सकता है, कोई मशीन ठीक कर सकता है या एआइ टूल का इस्तेमाल करके घंटों का काम मिनटों में निपटा सकता है। आज कंपनियों के लिए यह सवाल पुराना हो चुका है कि आपने क्या पढ़ाई की है। अब असली सवाल यह है कि आप व्यावहारिक रूप से क्या कर सकते हैं। भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार भले ही एक बड़ी उपलब्धि रहा हो, लेकिन डिग्रियों और वास्तविक रोजगार के बीच की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की स्टेट आफ वर्किंग इंडिया 2026 रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 25 साल के स्नातकों में बेरोजगारी की दर लगभग 40 फीसदी के करीब है। जब लाखों युवा डिग्रियां हासिल करने के बाद भी सार्थक काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हों, तो हमें यह सोचना ही पड़ेगा कि क्या हम शिक्षा की सफलता का सही आकलन कर रहे हैं। डिग्री दुनिया को यह बताती है कि आपने क्या पढ़ा है, जबकि हुनर यह दिखाता है कि आप उस पढ़ाई से क्या कर सकते हैं। इस समस्या की जड़ केवल बेरोजगारी नहीं है, बल्कि ज्ञान के पुराना होने की असाधारण गति है। एक पीढ़ी पहले तक कोई भी तकनीक सालों तक प्रासंगिक बनी रहती थी, लेकिन एआइ के इस दौर में हर कुछ हफ्तों में नए टूल्स और क्षमताएं सामने आ रही हैं। ऐसे में जो ज्ञान फिर चार साल की डिग्री की शुरुआत में हासिल करते हैं, वह स्नातक होने तक पुराना पड़ चुका होता है। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की रिपोर्ट भी चेतावनी देती है कि इस दशक के अंत तक कर्मचारियों के लगभग 39 प्रतिशत कोर स्किल्स बदल जाएंगे। इसलिए, आज के समय का सबसे बड़ा हुनर किसी एक साफ्टवेयर या भाषा में महारत हासिल करना नहीं, बल्कि तेजी से नया सीखने, पुरानी हो चुकी बातों को भूलने और लगातार खुद को अपडेट करने की क्षमता है।

हमारी शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि तकनीक महीनों की रफ्तार से बदल रही है, जबकि पाठ्यक्रम को बदलने में सालों लग जाते हैं। केवल एआइ साक्षरता ही काफी नहीं होगी, बल्कि हमें छात्रों और संस्थानों को उस भविष्य के लिए तैयार करना होगा जहां एआइ स्वास्थ्य, शिक्षा, न्याय और निर्माण जैसे हर क्षेत्र की वित्त रूप दे रहा है। आज हर पेशा हाइब्रिड बन रहा है। एक डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या पत्रकार को अपने मूल विषय के ज्ञान के साथ-साथ डिजिटल और एआइ टूल्स की समझ रखनी ही होगी। इस बदलते दौर में भारतीय अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। बच्चों से केवल यह पूछने के बजाय कि वे कौन सी डिग्री ले रहे हैं, यह भी पूछना होगा कि वे व्यावहारिक रूप से क्या करके दिखा सकते हैं। एआई को सिर्फ रोजगार के खतरे के रूप में देखने के बजाय इसे अपनी उत्पादकता बढ़ाने वाले उपकरण की तरह इस्तेमाल करना सीखना होगा। इसके साथ ही, जैसे-जैसे मशीनें अधिक बुद्धिमान होंगी।

–धनंजय राजौरा

नहीं, जिम्मेदारी थी।

आज का इंजीनियर भी कम प्रतिभाशाली नहीं; उसके औजार बदल गए हैं। वह ऐसी दुनिया रच रहा है जहाँ शहर, घर और फोन स्मार्ट हैं—कभी-कभी मनुष्य को छोड़कर। ऐप एक क्लिक में खाना पहुँचा देता है, पर यह नहीं पूछता कि उसे खरीदने की क्षमता कितनों के पास है। स्मार्ट सिटी के कैमरे हर चेहरा पहचान लेते हैं, पर पानी की कतार में खड़े चेहरे को नहीं डेटा समुद्र-सा बढ़ रहा है, समझ क्यूँ-सी सूख रही है। पुराने इंजीनियर बाँध बनाकर बाढ़ रोकते थे; आज के इंजीनियर उसका लाइव डैशबोर्ड बना सकते हैं। सुविधा बढ़ी है, पर क्या मनुष्य भी उतना ही सुरक्षित, सम्मानित और सुखी हुआ है?

इंजीनियरिंग का विचित्र विरोधाभास है—इंजीनियर सुविधा बनाता है और फिर उसका गुलाम बन जाता है। पहले सर्वे के लिए धूप में चलना पड़ता था, अब उपग्रह तस्वीर भेज देता है। पहले रस्सी और पैमाने से नापते थे, अब सेंसर है। पहले चिड़्ही जाती थी, अब संदेश सेकंड में पहुँचता है। फिर भी मनुष्य के पास एक-दूसरे के लिए समय कम है। पहले प्रोजेक्ट की सफलता थी—सड़क टिके, पुल भार सहें और बिजली गांव पहुँचे। अब उसमें प्रस्तुति, ब्रांडिंग, निवेश और लाइव्स भी जुड़ गए हैं। पहले इंजीनियर पूछता था—यह टिकेगा कितने साल? आज बाजार पूछता है—यह बिकेगा कितने दिन? गणित वही है, पर गणना का उद्देश्य बदल गया है।

इंजीनियर समस्या हल करता है, यही उसकी ताकत

दशलक्षण पर्व – धर्म के दस पड़ाव, खुद से मिलने की एक यात्रा

आज मनुष्य घर, वस्तुओं और परिवेश को साफ रखने में जितना सजग है, उतना ही अपने भीतर की अशांति से अनजान है। दिगंबर जैन समाज का दशलक्षण पर्व इसी भीतर की सफाई का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व क्रोध, अहंकार, छल, लोभ और आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने और संश्र्मित करने की प्रेरणा देता है। भौतिक सुविधाएं बढ़ने के बावजूद यदि मन अशांत और रिश्ते कमजोर हैं, तो कमी बाहर नहीं, भीतर है। दशलक्षण पर्व इसी सत्य की ओर लौटने और अपने विचार, व्यवहार व जीवन को परखने का अवसर देता है।

दशलक्षण की शक्ति उसके दस नामों में नहीं, उन जीवन-सूत्रों में है जो मनुष्य की कमजोरियों को चुनौती देते हैं। उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य, ब्रह्मचर्य—ये किसी आदर्शलोक की बातें नहीं, जीवन की जरूरत हैं। क्रोध के समय क्षमा, अहंकार के बीच मार्दव, छल के बीच आर्जव और झूठ के शोर में सत्य की जरूरत है। शौच मन और शरीर की निर्मलता, संयम और तप इच्छाओं पर अंकुश, त्याग और आकिंचन्य संग्रह-वृत्ति से मुक्ति तथा ब्रह्मचर्य आत्मनियंत्रण का बोध कराते हैं। इसलिए इन दस धर्मों का क्रम केवल धार्मिक विधान नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र को भीतर से अनुशासित करने की सुविचारित प्रक्रिया है।

मनुष्य दूसरों की गलतियां गिनने में जितना तत्पर रहता है, उतना अपने भीतर झांकने में नहीं। दशलक्षण पर्व इसी आदत को बदलने का अवसर देता है। दिगंबर दर्शन में कर्म-सिद्धांत इसकी दार्शनिक आधारभूमि है—हर विचार और कर्म आत्मा पर सूक्ष्म कर्म-आवरण डालता है, जो दुष्ट और पुनर्जन्म के बंधन का कारण बनता है। इसलिए पर्व में आत्मनिरीक्षण महत्वपूर्ण है। व्यक्ति अपने व्यवहार का लेखा-जोखा करता है, भूल स्वीकारता है और सुधार का संकल्प लेता है। इसका सामाजिक प्रभाव भी स्पष्ट है—जिम्मेदारी स्वीकारने से दोषारोपण और संघर्ष घटते हैं।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है।

2026 में अंतर-संसदीय संघ-आष्टीपू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ‘मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं’ को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ‘ये विचार है लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।’- गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन,

है, हर समाधान नई समस्या भी ला सकता है, यही उसकी चुनौती है। नहरों से खेत हरे हुए, पर विकास का लाभ सब तक नहीं पहुँचा। इंटरनेट ने ज्ञान की दीवारें तोड़ीं, तप अफवाहों के दरवाजे भी खोल दिए। मशीन ने श्रम घटाया, पर निर्भरता बढ़ा दी। एल्गोरिथ्म हमारी पसंद समझने लगा और धीरे-धीरे तय भी करने लगा। इंजीनियर ने मशीन बनाई, मशीन ने आदत बनाई और आदत ने मनुष्य को उपयोगकर्ता बना दिया। यह प्रगति है या उसका विज्ञापन-फैसला विवेक करेगा। क्योंकि जो तकनीकी रूप से संभव है, जरूरी नहीं कि सामाजिक रूप से उचित भी हो।

आज इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी जरूरत नई मशीन नहीं, पुरानी नैतिकता है। पुल की डिजाइन में भार की सीमा तय होती है; समाज पर लालच, लापरवाही और स्वार्थ का भार कौन तय करेगा? कोड में गलती हो तो सिस्टम रुकता है, चरित्र में हो तो व्यवस्था चलती रहती है—गलत दिशा में। भ्रष्टाचार, घंटिया निर्माण और कागज पर पूरे, जमीन पर अधूरे प्रोजेक्ट मनुष्य की त्रुटियाँ हैं। इंजीनियर को तकनीकी दक्षता के साथ सामाजिक विवेक चाहिए। नक्शे पर सीधी रेखा आसान है, पर उसके रास्ते में घर, खेत, पेड़ और लोगों की जिंदगी होती है। असली इंजीनियर वही है, जिसकी गणना में ईंसान की सुरक्षा और गरिमा भी हो।

पंद्रह सितंबर केवल इंजीनियरों को राष्ट्र निर्माता कहने का दिन नहीं; यह पूछने का दिन है—राष्ट्र किसका बन रहा है और उसमें कौन सुरक्षित रहेगा? पुराने

इंजीनियरों ने लोहे-सीमेंट से भारत की आधारभूत संरचना खड़ी की; नए इंजीनियरों को डेटा-तकनीक से उसका मानवीय भविष्य बनाना है। पुल किनारों के साथ समुदायों को जोड़े; तकनीक समय बचाने के साथ जीवन बेहतर करे। इंजीनियर की असली परीक्षा मशीन में नहीं, लोगों की जिंदगी में आए बदलाव में है। सबसे बड़ी उपलब्धि नाम वाली परियोजना नहीं, बल्कि वह जीवन है जो उसके काम से अधिक सुरक्षित, सक्षम और सम्मानजनक हुआ हो।

आखिर इंजीनियरिंग की सबसे कठिन गणना है—तकनीक की दौड़ में मनुष्य कितना बचा? पुल की मजबूती स्टील, भवन की कंक्रीट और सवरे की क्षमता डेटा से मापी जा सकती है; लेकिन सभ्यता की मजबूती संवेदना से।

इंजीनियर के सामने चुनौती केवल तकनीकी समाधान की नहीं, यह तय करने की भी है कि वह समाज और मनुष्य के लिए कितना उपयोगी, सुरक्षित और न्यायपूर्ण है। हर नई तकनीक सुविधा के साथ निर्भरता और जोखिम भी लाती है। अब फैसला है—तकनीक मनुष्य की सहायक बनेगी या मनुष्य उसका पुर्जा? इंजीनियर्स डे पर सम्मान यही होगा कि हर नया ढाँचा खड़ा करने से पहले इंजीनियर पूछे—क्या यह केवल बन सकता है, या बनना भी चाहिए? क्योंकि राष्ट्र की मजबूत इमारत वही है, जिसकी नींव में तकनीक के साथ मनुष्यता भी सुरक्षित हो।

–प्रो. आरके जैन

अहिंसा केवल मनुष्य के प्रति सद्भाव नहीं, समस्त जीव-जगत के प्रति संवेदनशीलता है। इसलिए पर्यावरण-संरक्षण, वृक्षारोपण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी इसके स्वाभाविक विस्तार हैं। जलवायु संकट के दौर में अहिंसक और संतुलित जीवन-दृष्टि का महत्व और बढ़ जाता है।

जीवन में संग्रह बढ़ता जात है और जिसे हम अपना मानकर जोड़ते रहते हैं, वही धीरे-धीरे हमारे लिए भार बन सकता है। दशलक्षण का त्याग और आकिंचन्य इसी भार से मुक्त होने का मार्ग दिखाते हैं। दान और परोपकार इस भावना को सामाजिक स्वरूप देते हैं। निस्वार्थ दान जरूरतमंद की सहायता के साथ दाता में उदारता और संग्रह से विरक्ति का भाव जगाता है। सामाजिक असमानता के बीच संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण संतोष और सहयोग बढ़ा सकता है। दिगंबर परंपरा का सादगीपूर्ण दान इसी विचार पर आधारित है कि वस्तुओं का संघय सुख की गारंटी नहीं, वास्तविक सुख तब मिलता है, जब अपने पास की वस्तुओं में किसी और का हिस्सा समझने का भाव जागे। त्याग अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण जीवन का नाम है।

दशलक्षण केवल दस दिनों का धार्मिक अनुशासन नहीं, जीवन की दिशा बदलने का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व मनुष्य को भीतर झांकने और क्रोध, अहंकार, छल, असंयम, लालच व आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने का अवसर देता है। क्षमा क्रोध को शांत करती है, मार्दव और आर्जव व्यक्ति को सरल बनाते हैं, सत्य और शौच उसे निर्मल करते हैं, संयम और तप इच्छाओं को सीमा देते हैं तथा त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य आसक्ति से मुक्ति की राह दिखाते हैं। इसका प्रभाव व्यक्ति से परिवार और समाज तक पहुंचता है। इसलिए दशलक्षण की सार्थकता पूजा के बाद नहीं, तब है जब दस दिनों के बाद भी क्षमा स्वभाव में, संयम व्यवहार में, त्याग जीवनशैली में और करुणा दृष्टि में बनी रहे।

–कृति आरके जैन

लोकतंत्र की जीवन्तता के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करो का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक भ्रष्टाव्र बनाने खरना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अतः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक ध्येयस मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्मसन्ध का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच। जब तकनीक मानवीय करुणा से जुड़ेगी, सत्ता नैतिकता से बंधेगी और जनता अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होगी, तभी लोकतंत्र अपने आदर्श रूप को प्राप्त कर सकेगा।

–ललित गर्ग

इंदौर से देवास लाई जा रही 22 पेटी शराब पकड़ी, दो गिरफ्तार

स्विफ्ट कार से 198 बल्क लीटर देशी-विदेशी मदिरा जप्त, आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव की कार्रवाई में 3.93 लाख की सामग्री बरामद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन और विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग देवास ने सोमवार अलसुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए इंदौर जिले से देवास लाई जा रही 22 पेटी देशी-विदेशी मदिरा पकड़ी। खारी बावड़ी, अखाड़ा रोड मालीपुरा क्षेत्र में स्विफ्ट कार से शराब परिवहन करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जप्त मदिरा और वाहन का बाजार मूल्य करीब 3 लाख 93 हजार रुपए बताया गया है।

आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश के निर्देश एवं कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा लगातार अवैध मदिरा के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 14 सितंबर को कोट्टेल रूम प्रभारी नीलेश पंवार के नेतृत्व में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर खारी बावड़ी, अखाड़ा रोड मालीपुरा



में स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 09 एमसी 3680 को घेराबंदी कर रोका गया।

आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव की टीम ने वाहन की विधिवत तलाशी ली तो डिब्बी

और वाहन के बीच के हिस्से से 20 पेटी देशी मदिरा प्लेन तथा 2 पेटी लंदन प्राइड व्हिस्की, कुल 198 बल्क लीटर मदिरा बरामद हुई। मौके से वाहन चालक रोहित जाधव और

अर्पित चौहान, दोनों निवासी देवास, को गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब इंदौर जिले से अवैध रूप से संग्रहित कर देवास लाई जा रही थी। जप्त मदिरा प्रथम दृष्ट्या इंदौर जिले की सप्लाई वाली बताई जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा इसके संबंध में आगे जांच की जा रही है।

आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, राजाराम रायकवार, दीपक भुरिया, आबकारी आरक्षक निहाल खत्री, निकिता परमार एवं सैनिक अनिल चौहान शामिल रहे। विभाग ने कहा है कि अवैध मदिरा के निर್ಮण, संग्रहण, परिवहन और विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सांवेर शक्ति केंद्र में संगठन की बैठक, सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों पर जोर



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी संगठन के निर्देशानुसार पिपलेश्वर नगर मंडल के अंतर्गत सांवेर शक्ति केंद्र की मासिक बैठक रविवार को मौडिया प्रभारी तरुण शर्मा के निवास पर आयोजित हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर कार्यक्रमों की रूपरेखा और संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा प्रभारी महेश पाटीदार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों को

प्रभावी ढंग से आयोजित करते हुए संगठन की गतिविधियों को बृ्ध स्तर तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कार्यक्रमकर्ताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और निर्धारित कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में मंडल अध्यक्ष विजेंद्र सिंह राजपूत, एल्टरमैन राजेश बारोड़, मंडल महामंत्री बहादुरसिंह चौहान, उपाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, वरिष्ठ कार्यकर्ता मेहरबान सिंह चौधरी, पप्पी यादव सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आगामी कार्यक्रमों की जिम्मेदारियों और उनकी तैयारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मूषक व मेघ पर सवार होकर मंगल करने आए मंगल मूर्ति, 100 स्थानों पर सजे बप्पा के पांडाल, दिनभर बप्पा की भक्ति में डूबे रहे नगरवासी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार का दिन गणपति बप्पा के नाम रहा और इस दिन बप्पा के भक्तों ने बप्पा की स्थापना कर दस दिनी गणेशोत्सव की शुरूआत की। इस दिन बप्पा मूषक और बरसते मेघ पर सवार होकर लोगों का मंगल करने आए। शहर में एक से एक आकर्षक प्रतिमाओं की स्थापना भक्तों द्वारा की गई। जिन्हें निहारने देर रात तक श्रद्धालु शहर में भ्रमण करते रहे।

इस वर्ष 10 दिनी गणेश उत्सव को लेकर लोगों में काफी उत्साह और उमंग देखी जा रही है। इस बार गणेश प्रतिमाएं जो की मनमोहित और आकर्षित बनाई गई है। वहीं



पंडाल भी काफी सुंदर तैयार किया जा रहे हैं, जो की आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

बच्चों में दिखा उत्साह- केवल युवाओं में ही नहीं बल्कि बच्चों में भी गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चे भी नाचते-गाते बाजार पहुंचकर बप्पा की प्रतिमाओं को लाए और उनकी विधि-विधान से स्थापना की।

तो रात में इन पांडालों में महाआरती के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी होंगे। इंद्रदेव ने किया बप्पा का स्वागत- लंबे समय से झमाझम बारिश की राह देख रहे नगरवासियों को बप्पा के आगमन पर बारिश की सौगत मिली। जैसे ही बप्पा का आगमन हुआ बारिश शुरू हो गई। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे बप्पा का स्वागत खुद इंद्रदेव कर रहे हों।

विधायक ने दिया मिट्टी के गणेश स्थापित करने का दिया संदेश विधायक अरूण भीमावद ने भी सोमवार को गणेश चतुर्थी का पर्व अनोखे तरीके से मनाया। उन्होंने

नगर में मिट्टी के गणेश बेचने आए व्यवसायियों से प्रतिमाएं खरीदी और अपने समर्थकों के साथ हाथ ठेले पर प्रतिमाएं रखकर बप्पा के जयकारे लगाते हुए निकले। इसके बाद उन्होंने भाजपा कार्यालय, अपने निवास पर, अपने कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर इन प्रतिमाओं की विधिवत स्थापना करवाई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मिट्टी के गणेश स्थापित करने की अपील की गई थी। इसी का पालन करते हुए हमने स्व सहायता समूह की बहनों द्वारा बनाई गई मिट्टी की प्रतिमाएं ली और हमारी टीम के सभी सदस्यों के घरों पर इनकी स्थापना की।

बिन अन्न-पानी के रहकर मांगी सुहाग की लंबी आयु



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुहाग की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना लिए महिलाओं ने सोमवार को महादेव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। तो कुंआरी कन्याओं ने भी सुयोग्य वर की कामना लिए महादेव को आस्था का भोग लगाया।

हरितालिका तीज भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाई जाती है। शहर में विवाहित महिलाओं ने पति की लंबी आयु की कामना के लिए कड़ा उपवास किया। सुबह से देर रात तक बरैर अन्न, जल ग्रहण किए प्रभु की भक्ति की। घर व मंदिरों में भगवान शंकर-पार्वती की बालू रेत से मूर्ति बनाकर पूजा की गई। सुंदर-सुंदर झांकियों में देवादिवेध को विराजित किया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर रात्रि जागरण किया। इस व्रत को करने वाली महिला-युवतियां सुबह चीलर नदी पर पहुंची और पूजन सामग्री का विसर्जन किया। पूजन के बाद सभी महिलाओं ने मंदिर में तीज माता की कथा का वाचन एवं श्रवण किया।

हर वह हरितालिका तीज के बाद चतुर्थी व्रत मनाया जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष सोमवार को ही हरितालिका तीज और चतुर्थी एक साथ होने से जहां महिलाओं ने दितार मां पार्वती और महादेव की पूजा-अर्चना तो की ही।

ब्राह्मणखेड़ी रेलवे फाटक के पास जुए की महफिल पर पुलिस की दबिश, 14 जुआरी गिरफ्तार

2.52 लाख रुपए नकद सहित 8 लाख का मशरूका जप्त, 15 मोबाइल और वाहन भी पुलिस ने कब्जे में लिए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास पुलिस ने संगठित अपराध एवं जुआ-सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राह्मणखेड़ी रेलवे फाटक के किनारे जुआ खेल रहे 14 जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 2 लाख 52 हजार 250 रुपए नकद, ताश की तीन गड्डियां, 15 मोबाइल फोन, 2 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी और 2 ऑटो रिक्शा जप्त किए। जप्त मशरूके की कुल अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देश पर जिले में संगठित अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध शराब, जुआ एवं सट्टे में सलिस लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 सितंबर की दरमियानी रात



बैंक नोट प्रेस थाना पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि ब्राह्मणखेड़ी रेलवे फाटक के किनारे कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हल्लाकि चालक ने हैंडब्रेक लगा रखा था, लेकिन जैसे ही हैंडब्रेक हटा ढलान होने के कारण ट्राला तेजी से आगे बढ़ गया और कारों पर चढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चालक ने ट्राले को रोकने की कोशिश की, लेकिन तब तक भारी वाहन पास खड़ी तीन कारों से

लगाकर जुआ खेलते हुए पकड़ा। तलाशी एवं कार्रवाई के दौरान 2,52,250 रुपए नकद, ताश के पत्तों की तीन गड्डियां, 15 मोबाइल फोन सहित दो मोटरसाइकिल, दो स्कूटी और दो ऑटो रिक्शा जप्त किए गए।

मामले में थाना बैंक नोट प्रेस में अपराध क्रमांक 564/2026 के तहत धारा 13 जुआ अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस निरीक्षक प्रीति कटारे, उपनिरीक्षक चन्दर सिंह, उपनिरीक्षक आर.के. शर्मा, उपनिरीक्षक गोपाल चौधरी सहित पुलिस बल की सहाय्यी भूमिका रही। देवास पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में सलिस लोगों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रखने की बात कही गई है।

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 18 वर्षीय युवक मोहित को अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल उपचार प्रदान कर 24 घंटे के भीतर पूरी तरह सामान्य स्थिति में ला दिया है। मरीज अब पूर्णतः स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

उल्लेखनीय है कि बदनावर में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद मरीज मोहित को जब अमलतास अस्पताल लाया गया, तब उसके उल्टे (बाएं) पैर की मोटी और पतली दोनों हड्डियां (टीबिया और फिबुला) पूरी तरह टूटकर अलग हो गई थीं तथा पैर में अत्यधिक सूजन आ गई थी। इसके साथ ही मरीज के सिर में भी गंभीर चोट व सूजन थी।

मामले की गंभीरता और मरीज की कम



उम्र को देखते हुए वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मुमताज आलम की देखरेख में बिना समय गंवाए मरीज का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और तत्काल आपातकालीन चिकित्सा शुरू की गई। अगले ही दिन सफल ऑपरेशन

इलाज का ही परिणाम रहा कि मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार आया। मात्र 24 घंटे के भीतर मरीज का दर्द और अन्य जटिल लक्षण पूरी तरह नियंत्रित कर लिए गए और वह सामान्य स्थिति में आ गया।

कर उल्टे पैर की मोटी हड्डी (टीबिया) में रॉड डालकर टूटी हुई हड्डी को सही जगह बिठया गया।

हड्डी रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पुनीत माहेश्वरी ने बताया कि डॉक्टरों की कुशल देखरेख, सटीक जांच और समय पर मिले सही उपचार के कारण मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार आया। मात्र 24 घंटे के भीतर मरीज का दर्द और अन्य जटिल लक्षण पूरी तरह नियंत्रित कर लिए गए और वह सामान्य स्थिति में आ गया।

ढलान पर खड़े ट्राले का उतरा हैंडब्रेक, ट्राले ने तीन कारों को रौंदा

शहरी हाईवे पर हुआ हादसा, पुलिस ने चालक को किया गिरफ्तार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर से गुजर रहे हाईवे पर खड़े एक ट्राला अनियंत्रित होकर चल पड़ा। जिसकी चपेट में आई तीन कारों को भारी नुकसान हुआ। गनीमत रही कि इन वाहनों में कोई सवार नहीं था नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जाता है कि ट्राले के ब्रेक काम नहीं कर रहे थे और चालक ने उसे ठीक करने के लिए सड़क के किनारे खड़ा किया था जिसमें सीमेंट की बेरियां लदी हुई थीं।



टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना के समय तीनों कारों में कोई मौजूद नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया और किसी की जान नहीं गई।

पुलिस ने की कार्रवाई- घटना की सूचना मिलने पर लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्राला चालक को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। मौके पर पहुंचे एसडीएम और तहसीलदार ने भी रुककर घटना की स्थिति का जायजा लिया। इस हादसे के कारण घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

नोट-एट्री में कैसे आया ट्राला

जलसे में गूंजा भाईचारा और नशामुक्ति का संदेश, 800 नौजवानों ने की नशे से तौबा

नगर में मौलाना उस्मान लुधियानवी का भव्य इस्तकबाल, जेसीबी से बरसाए फूल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंजुमन व सीरत कमेटी के तत्वावधान में रविवार को आयोजित अजीमुश्शान जलसा सामाजिक सुधार और कौमी यकजहत की एक ऐतिहासिक मिसाल बन गया। इस जलसे में शाजापुर सहित आसपास के कई जिलों से हजारों की तादाद में अकीदतमंद पहुंचे। कार्यक्रम में मेहमान-ए-खुसूसी के रूप में पंजाब के शाही इमाम मौलाना उस्मान रेहमानी लुधियानवी तशरीफ लाए।

जलसे का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी पहलू यह रहा कि शाही इमाम की पुरअमर नसीहतों से मुतास्सिर होकर 800 से अधिक नौजवानों ने हमेशा-हमेशा के लिए नशे से तौबा की। शाही इमाम मौलाना उस्मान रेहमानी लुधियानवी के पहली बार शाजापुर आगमन को लेकर आवाम में जबरदस्त उत्साह देखा गया। इंदौर से शाजापुर के पूरे सफर के दौरान जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। शाजापुर के समकोटा बायपास पर हजारों की तादाद में लोग उनके खैरमकदम के लिए उमड़ पड़े। यहां जेसीबी मशीनों के जरिए फूलों की बारिश कर उनका ऐतिहासिक स्वागत किया गया। बायपास से कार्यक्रम स्थल तक उन्हें एक विशाल और अनुशासित जुलूस के रूप में लाया गया। पूरे रास्ते शहवासियों ने पलक-पावड़े बिछकर शाही इमाम पर पुष्पवर्षा की।

नशामुक्ति, भाईचारा और देशभक्ति पर शाही इमाम का जोर- मौलाना उस्मान रेहमानी लुधियानवी ने सीरत कमेटी की नशामुक्ति



अभियान के पहल की भरपूर सराहना की। उन्होंने अपने बयानों में पौनबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की तालीमात का हवाला देते हुए कहा कि इंसान की अक्ल, सेहत और रूह को नुकसान पहुंचाए। नशा इंसान की जिंगी को तबाह करने के साथ-साथ उसके पूरे परिवार को बर्बाद की कगार पर धकेल देता है।

रंग लाई कोशिश, देर रात चली मुलाकातों की कड़ी- मौडिया प्रभारी अनीस खान ने बताया कि अंजुमन व सीरत कमेटी के सदर हजी नईम कुरैशी की दूरदर्शिता और समाज सुधार की मुहिम इस जलसे का केंद्र बिंदु रही। उन्होंने नशे की गर्त में फंसे नौजवानों की सीधी मुलाकात मौलाना उस्मान लुधियानवी से करवाई। मौलाना ने बेहद शफ़क़त और संजीदगी के साथ नौजवानों को पैग़म्बर साहब का पैग़ाम समझाया। शाही इमाम के रूहानी और अस्परदार अंदाज का ऐसा असर हुआ कि शाजापुर, देवास, उज्जैन और आसपास के

इलाकों से आए 800 से ज्यादा नौजवानों ने उसी वक्त नशे से तौबा कर ली। हाजी नईम कुरैशी खुद रात 3.30 बजे तक एक-एक नौजवान को मौलाना के सामने पेश करते रहे ताकि वे अपनी पुरानी गलतियों से तौबा कर एक नई जिंदगी की शुरुआत कर सकें।

ईदगाह परिसर हुआ खचाखच, सड़क पर खड़े होकर सुनी तकरीर- अजीमुश्शान जलसे को लेकर आवाम में इस कदर

जोश था कि ईदगाह मस्जिद और उसका विशाल परिसर पूरी तरह खचाखच भर गया। देर रात तक चलने वाले इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने मुहब्बत का इस्तकबाल करते हुए व्यवस्था बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही, आयोजन को सुगम बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर पालिका परिषद, वालेंटियर्स और स्थानीय सहयोगियों की मुहत्तैदी की सराहना की। यह आयोजन शहर में सौहार्द और एकजुटता की मिसाल बना।

शांति के टापू गौतमपुरा में डेढ़ माह में तीन हत्याएं

कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल, पुलिस की कार्यप्रणाली कटघरे में; सूचना-सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में गौतमपुरा थाना क्षेत्र को लंबे समय से अपेक्षाकृत शांत क्षेत्र के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन बीते डेढ़ माह में तीन हत्या की वारदातों ने इस छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार सामने आ रही इन वारदातों ने न केवल क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई है, बल्कि पुलिस की अपराध रोकथाम और सूचना तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस गौतमपुरा को ‘शांति का टापू’ कहा जाता है, वहां इतनी कम अवधि में तीन हत्याएं आखिर कैसे हो गई? क्या पुलिस को इन घटनाओं की भनक पहले से नहीं लगी? क्या अपराधियों में पुलिस का खौफ कम हुआ है? और सबसे अहम-गौतमपुरा थाना पुलिस कानून-

व्यवस्था को किस तरह संभाल रही है? तीन हत्याओं ने बढ़ाई चिंता- डेढ़ माह के भीतर हुई तीन हत्याएं सामान्य अपराध की घटनाएं मानकर नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। लगातार सामने आ रही हिंसक वारदातें पुलिस के लिए गंभीर चेतावनी हैं। क्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने, विवादों की समय रहते जानकारी जुटाने और संवेदनशील परिस्थितियों में प्रभावी पुलिसिंग करने को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं।

आसूचना-सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठ रहे



सवाल-जानकारी के अनुसार आदित्य प्रताप सिंह, पंकेश सिंह, नरसिंह परमार और दीपक धाकड़ को आसूचना एवं सुरक्षा व्यवस्था से हटाया गया है। चर्चा यह भी है कि इन कर्मचारियों को अल्प समय के लिए तैनात किया जाता है और क्षेत्र में कोई बवाल या विवाद सामने आने के बाद उन्हें तत्काल हटा दिया जाता है। यदि ऐसा है तो सवाल यह है कि पुलिस का स्थानीय सूचना तंत्र आखिर किस आधार पर और कितनी स्थिरता के साथ काम कर रहा है? आसूचना

तंत्र किसी भी थाना क्षेत्र में अपराध की रोकथाम की पहली कड़ी माना जाता है। ऐसे में बार-बार कर्मचारियों को बदलना या अल्प अवधि में तैनाती करना कितना प्रभावी है, यह भी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विचारणीय विषय है। थाना प्रभारी की कार्यप्रणाली पर निगाहें लगातार तीन हत्याओं के बाद गौतमपुरा थाना प्रभारी अलका मेनिया की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि प्रत्येक हत्या के अपने अलग कारण और परिस्थितियां हो सकती हैं, लेकिन इतनी कम अवधि में तीन हत्याएं होना निश्चित तौर पर पुलिस की अपराध-नियंत्रण व्यवस्था की समीक्षा की मांग करता है। पुलिस के सामने अब चुनौती केवल आरोपियों को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भरोसा कायम करने की

भी है कि क्षेत्र में अपराध होने से पहले उसकी सूचना पुलिस तक पहुंचे और संभावित विवादों को समय रहते रोका जा सके।

वरिष्ठ अधिकारी लें संज्ञान-गौतमपुरा जैसे शांत माने जाने वाले थाना क्षेत्र में डेढ़ माह के भीतर तीन हत्याओं का होना गंभीर विषय है। ऐसे में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की समीक्षा कर यह पता लगाना चाहिए कि अपराध रोकने में कहां चूक हुई, सूचना तंत्र कितना प्रभावी रहा और पुलिस की गश्त एवं निगरानी व्यवस्था किस स्तर पर काम कर रही है। जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल अब यही है-अगर गौतमपुरा में भी अपराधी बेखौफ होकर हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देने लगे, तो फिर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

भगवान के पालने की लगी बोली, नगर में निकली भव्य शोभायात्रा

जैन समाज के लोगों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा, सामाजिकजनों ने किया स्वागत



उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शोभायात्रा में जैन श्वेतांबर समाज के बड़ी संख्या में सामाजिकजन एवं नगरवासी शामिल हुए। यात्रा के दौरान धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जैन श्वेतांबर मंदिर परिसर पहुंची।

इस अवसर पर नगर के लोकप्रिय समाजसेवी अरुण बाबा शर्मा एवं मनीष परमार द्वारा शोभायात्रा में शामिल वरिष्ठ सामाजिकजनों एवं नगरवासियों का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने के बाद महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को लड्डू की महाप्रसादी का वितरण किया गया। आयोजन में जैन समाज के लोगों सहित नगरवासियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

सीबीएसई वेस्ट ज़ोन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में महावीर विद्यालय की सुरभि सेटिया ने जीता कांस्य पदक



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीबीएसई वेस्ट जोन गर्ल्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल, आलोट की होनहार छात्रा सुरभि सेटिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर विद्यालय

और नगर को गौरवान्वित किया है।

प्रतियोगिता का आयोजन गो ग्रीन इंटरनेशनल एस.एस. स्कूल, उज्जैन द्वारा अवॉितका यूनिवर्सिटी परिसर में किया गया था। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में वेस्ट जोन के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों से आई प्रतिभाशाली मुक्केबाजों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। सुरभि ने अपने उज्ज्वल खेल कौशल, फुर्ती और स्टैक पंचों के दम पर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सुरभि की इस सफलता में उनकी कोच सुश्री शालू राठौर का विशेष मार्गदर्शन और कठोर प्रशिक्षण महत्वपूर्ण रहा। स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री रिकी कांत ने भी खिलाड़ी के समर्पण और खेल भावना की सराहना की। छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. शिखर जैन, उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी काकानी, सचिव श्री सिरेमलू जी भंडारी सहित समस्त सदस्यों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सुरभि और उनकी कोच को हार्दिक बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

हरतालिका तीज की पूजा कर, महिलाओं ने मांगा अखंड सौभाग्य



बड़नगर/ महेश सोनगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी पर सोमवार को सुहागिन महिलाओं ने सामूहिक रूप से हरतालिका तीज

का उपवास कर पूजा की, पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि इस दिन पाटले पर बालू रेंती से भगवान शिव, माता पार्वती, व पुत्र गणेश,, कार्तिकेय, चंद्रमा, सूरज की आकृति बनाई गई ।। महिलाओं ने तप वस्त्र धारण कर निर्जल निराहार व्रत रख पूजा की थाली सजाकर शाम 5:00 के शुभ मुहूर्त में बालू रीति से बने भगवान शिव, माता पार्वती, की विधि विधान से पहली पूजा की, बाद हरतालिका तीज की कथा का श्रवण किया । पश्चात महिलाओं ने पूरी रात्रि मधुर भजनों से भगवान शिव, पार्वती की आराधना कर पांच बार आरती कर भगवान से अपने पति की लंबी उम्र , एवं परिवार ,के लिए सुख समृद्धि की कामना की। प्रातः 6:00 बजे बालू रेंती से बने भगवान शिव के परिवार का विसर्जन किया। जानकारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

अनुशासन, धैर्य और मार्गदर्शन से उसे तपाकर न केवल एक कुशल शूटर बनाया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाकर देश के सामने पेश किया। आज उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि ज्योतिरादित्य पर दुनिया और भारतीय सेना की निगाहें पड़ी हैं।

पत्र में पिता ब्रजेशसिंह ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए लिखा कि वर्ष 2019 में जब उन्होंने अपने बेटे को एकेडमी को सौंपा था, तब वह एक कच्ची मिट्टी के समान था। गुरुजनों ने अपने आठ वर्षों के परिश्रम,

अनुशासन, धैर्य और मार्गदर्शन से उसे तपाकर न केवल एक कुशल शूटर बनाया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाकर देश के सामने पेश किया। आज उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि ज्योतिरादित्य पर दुनिया और भारतीय सेना की निगाहें पड़ी हैं। पत्र में पिता ब्रजेशसिंह ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए लिखा कि वर्ष 2019 में जब उन्होंने अपने बेटे को एकेडमी को सौंपा था, तब वह एक कच्ची मिट्टी के समान था। गुरुजनों ने अपने आठ वर्षों के परिश्रम,



में रखेगा। पत्र में स्पष्ट किया गया कि ज्योतिरादित्य एकेडमी को छोड़कर नहीं जा रहा, बल्कि वह अब बाहरी दुनिया में मध्य प्रदेश शूटिंग एकेडमी का प्रतिनिधि बनकर जा रहा है। भारतीय सेना की वर्दी पहनने के बाद भी उसके भीतर एकेडमी के संस्कार और प्रशिक्षण हमेशा जीवित रहेंगे।

एंजेल कॉन्वेंट स्कूल में भक्तिभाव से हुई गणेश प्रतिमा की स्थापना



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अहिंवास रोड स्थित एंजेल कॉन्वेंट स्कूल में गणेश चतुर्थी के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। गणेश स्थापना के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा गणपति बप्पा के जयकारों से विद्यालय परिसर गूंज उठा। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान गणेश से सभी के सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बेगन्दा में अखिल भारतीय क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद दरबार का आत्मीय स्वागत



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील क्षेत्र के ग्राम बेगन्दा में अखिल भारतीय क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद दरबार का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। ग्राम निवासी जितेंद्र परमार द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष

विनोद दरबार का पारंपरिक रूप से साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर पारंपरिक दाल-बांटी के भोजन का आयोजन भी रखा गया। इस आत्मीय स्वागत और सम्मान से अभिभूत विनोद दरबार ने ग्राम बेगन्दा के समस्त समाजबंधुओं का कोटि-कोटि आभार एवं हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाजबंधुओं द्वारा दिया गया स्नेह, सम्मान और अपनाना हमेशा स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम के दौरान समाज की एकजुटता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की भावना देखने को मिली। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत कर समाज के प्रति अपनी एकजुटता का परिचय दिया।

माटी के गणेश-पर्यावरण संरक्षण का संदेश, आस्था के साथ प्रकृति का सम्मान

शाजापुर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सिसोदिया भी आयोजन में हुए शामिल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल कालूहेड़ा द्वारा आयोजित «माटी गणेश»सिद्ध गणेश-अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा



पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री गणेश जी की माटी से निर्मित प्रतिमाओं का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में उज्जैन के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल, राज्यसभा सदस्य बालयोगी संत श्री उमेशनाथ जी महाराज, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श्री ओम जैन, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल जाटवा, शाजापुर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया,

विधायक श्री सतीश मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री विवेक जोशी, श्री ऋषि वर्मा, श्री अशोक प्रजापति सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर शाजापुर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया

ने कार्यक्रम मे मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की तथा संगठन एवं पार्टी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी से निर्मित भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के उपयोग का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण के साथ आस्था को जोड़ने का आह्वान किया गया। आयोजन में श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

माटी के गणेश-पर्यावरण संरक्षण का संदेश, आस्था के साथ प्रकृति का सम्मान।

कच्ची मिट्टी से फौजी अफसर और शूटर बनने की कहानी, पिता की जुबानी

ओलंपिक मेडल जीता तो पहली गुरु दक्षिणा भोपाल एकेडमी को, सेना में चुने गए शूटर के पिता का भावुक खत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शूटिंग एकेडमी, भोपाल के 2019 बैच के अंतरराष्ट्रीय शूटर ज्योतिरादित्यसिंह सिसोदिया का भारतीय सेना में चयन होने के बाद खेल परिसर में एक भावुक क्षण देखने को मिला। इस उपलब्धि पर खिलाड़ी के पिता ब्रजेशसिंह सिसोदिया निवासी ग्राम कोद, तहसील बदनावर, जिला धार ने एकेडमी के कोचेस, गुरुजनों और प्रबंधन के नाम एक अत्यंत भावुक एवं प्रेरक आभार पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने भारतीय खेल संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा और एकेडमी के आठ वर्षों के अथक योगदान को रेखांकित किया है।

पत्र में पिता ब्रजेशसिंह ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए लिखा कि वर्ष 2019 में जब उन्होंने अपने बेटे को एकेडमी को सौंपा था, तब वह एक कच्ची मिट्टी के समान था। गुरुजनों ने अपने आठ वर्षों के परिश्रम,

अनुशासन, धैर्य और मार्गदर्शन से उसे तपाकर न केवल एक कुशल शूटर बनाया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाकर देश के सामने पेश किया। आज उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि ज्योतिरादित्य पर दुनिया और भारतीय सेना की निगाहें पड़ी हैं। पत्र में पिता ब्रजेशसिंह ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए लिखा कि वर्ष 2019 में जब उन्होंने अपने बेटे को एकेडमी को सौंपा था, तब वह एक कच्ची मिट्टी के समान था। गुरुजनों ने अपने आठ वर्षों के परिश्रम,

पिता ने भावुक अपील करते हुए कहा, «हम कोई बड़ा उपहार नहीं, बस आपका आशीर्वाद चाहते हैं। जिस दिन ज्योतिरादित्य ओलंपिक पोज़ियम पर खड़ा होकर देश के लिए पदक जीतेगा, वह पदक सबसे पहले अपने गुरुजनों के श्रीचरणों में %गुरु दक्षिणा% के रूप में रखेगा। पत्र में स्पष्ट किया गया कि ज्योतिरादित्य एकेडमी को छोड़कर नहीं जा रहा, बल्कि वह अब बाहरी दुनिया में मध्य प्रदेश शूटिंग एकेडमी का प्रतिनिधि बनकर जा रहा है। भारतीय सेना की वर्दी पहनने के बाद भी उसके भीतर एकेडमी के संस्कार और प्रशिक्षण हमेशा जीवित रहेंगे।

सिसोदिया ने लिखा कि अर्जुन से द्रोणाचार्य और द्रोणाचार्य से अर्जुन को अलग नहीं किया जा सकता। भविष्य में जब भी ज्योतिरादित्य का नाम लिया जाएगा, उसके साथ एमपी शूटिंग एकेडमी और उसके गुरुओं की मेहनत का नाम स्वतः जुड़ेगा। एकेडमी सूत्रों के अनुसार, ज्योतिरादित्यसिंह 2019 बैच के प्रमुख खिलाड़ियों में से रहे हैं। इस बैच के अधिकांश खिलाड़ी अब अपनी-अपनी नई यात्राओं पर निकल चुके हैं। भारतीय सेना में ज्योतिरादित्य का चयन न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरी मध्य प्रदेश शूटिंग एकेडमी के लिए एक गर्व का क्षण है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि एक पिता द्वारा लिखा गया यह आभार पत्र न केवल गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत करता है, बल्कि देश भर की खेल अकादमियों में प्रशिक्षण ले रहे युवा एथलीटों और उनके अभिभावकों के लिए प्रेरणा का एक बेहतरीन उदाहरण है।

ग्राम शाहपुर में विधि-विधान से हुई गणेश प्रतिमा की स्थापना



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर ग्राम शाहपुर में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ स्थापना की गई। गणेश प्रतिमा स्थापना के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं युवा उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश से ग्राम की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई।

इस अवसर पर सुनील चंदेल, गोकुल परमार, सुंदर चौहान, कान्हा परमार, धीरज परमार, संदीप चंदेल, विकास परमार, अनुज परमार, प्रोतम चौहान, अमन चंदेल, आयुष राठौर, अभिषेक परमार, राहुल परमार, शिवराज राठौर एवं उज्ज्वल परमार सहित अन्य गणेश भक्त मौजूद रहे।

गणेश स्थापना के साथ ही पूरे गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की आरती का आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रशासन की लीपापोती से नहीं रुकेगा जनांदोलन संपूर्ण सड़क निर्माण की गारंटी के लिए आज धरने पर बैठेंगे शिवसेना नेता प्रभात पुरानिया और नगर अध्यक्ष संतोष बगैरवाल



बड़नगर/ महेश सोनगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर को बदहाल सड़कों, गड्डों और जलभराव से त्रस्त आम जनता और व्यापारियों के हक में शिवसेना द्वारा दिए गए अल्टीमेटम का

असर भले ही प्रशासन पर दिखा हो, लेकिन शिवसेना प्रशासन के इस दिखावे से पीछे हटने वाली नहीं है। सड़क निर्माण के लिए शिवसेना द्वारा 15 तारीख को दिए गए उग्र आंदोलन की चेतावनी के दबाव में आकर पीडितों और प्रशासन ने आनन-फानन में थोड़ा-बहुत कार्य शुरू कर दिया है। लेकिन शिवसेना का स्पष्ट कहना है कि यह महज आंदोलन को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा

दिया गया एक लॉलीपॉप और लीपापोती है। जब तक संपूर्ण सड़क के पक्के निर्माण और जल निकासी की ठोस गारंटी नहीं मिल जाती, तब तक आंदोलन स्थगित नहीं होगा। इसी संकल्प के साथ युवा शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया और शिवसेना (मुख्य इकाई) के नगर अध्यक्ष संतोष बगैरवाल के नेतृत्व में 15 तारीख को विशाल जन आंदोलन और धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। शिवसेना नेताओं ने संयुक्त

बयान में कहा, रोज़ गड्डों में गिरते बुजुर्ग, कीचड़ से गुजरते बच्चे और धूल-मिट्टी से बर्बाद होता हमारे व्यापारियों का व्यापार-यह सब अब और बढ़ाए नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने हमारी चेतावनी के बाद काम तो चालू किया है, लेकिन यह नाकामी है। हमें टुकड़ों में काम या लीपापोती मंजूर नहीं है। जब तक हमारी मांगे पूर्ण रूप से नहीं मानी जाती और युद्धस्तर पर काम शुरू कर उसे पूरा करने का लिखित आश्वासन नहीं

मिलता, हम बड़नगर की जनता के साथ सड़क पर डटे रहेंगे। यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे बड़नगर के मान-सम्मान और सुरक्षित भविष्य का है। शिवसेना ने समस्त जागरूक नगरवासियों और व्यापारी बंधुओं से अपील की है कि वे भारी संख्या में नगर पालिका के सामने पहुंचकर इस जनांदोलन को सफल बनाएं और प्रशासन को अपनी एकजुटता की ताकत दिखाएं।

उज्जैन में शुभ मुहूर्त में विराजे विघ्नहर्ता श्री गणेश

रात 12 बजे से शुरू हुआ पूजन, 24 घंटे तक चले दर्शन

बारिश के बीच भी नहीं थमा उत्साह- कार, स्कूटर, ट्रॉली और हाथी पर सवार होकर घर पहुंचे बप्पा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश चतुर्थी पर सोमवार को पूरा शहर गणपति भक्ति में डूबा रहा। सुबह से ही घरों और प्रतिष्ठानों में शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की स्थापना का सिलसिला शुरू हो गया। बरसाती मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। शहर के बाजारों और प्रमुख चौराहों पर गणेश प्रतिमाएं खरीदने और उन्हें घर ले जाने के लिए लोगों की भीड़ रही। कहीं कार तो कहीं स्कूटर, बाइक, लॉडिग वाहन और ट्रॉली से लोग बप्पा को अपने घर ले जाते नजर आए। एक स्थान पर हाथी पर गणेश प्रतिमा ले जाने का दृश्य भी आकर्षण का केंद्र रहा।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर के फ्रीजंग, सिंघी कॉलोनी चौराहा, कवेल् कारखाना, कोयलाफाटक और गोपाल मंदिर क्षेत्र में सुबह से ही चहल-पहल रही। श्रद्धालु



परिवार के साथ प्रतिमाएं, पूजन सामग्री, फूल-माला और प्रसाद खरीदने पहुंचे। बाजारों में गणेश प्रतिमाओं की अलग-अलग आकार और आकर्षक स्वरूपों में सजी दुकानें लोगों को आकर्षित करती रहीं। प्रतिमा

खरीदने के बाद श्रद्धालु विधि-विधान से स्थापना के लिए उन्हें अपने घर और प्रतिष्ठानों तक लेकर गए। महाकाल में गणेश स्वरूप में हुए बाबा के दर्शन- गणेश उत्सव की शुरुआत बाबा

महाकाल के दरबार से भी विशेष रूप में हुई। भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल को गणेश स्वरूप में सजाया गया। मुकुट धारण किए गणेश स्वरूप में बाबा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तिमय वातावरण बना रहा और गणपति बप्पा के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

चिंतामन गणेश मंदिर में विशेष अभिषेक- शहर के प्रमुख गणेश मंदिरों में भी गणेश चतुर्थी पर विशेष आयोजन हुए। में सुबह से श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। यहां चिंतामन, इच्छमन और सिद्धिविनायक स्वरूप में विराजित भगवान गणेश का विशेष अभिषेक किया गया। पंचामृत पूजन के बाद भगवान को उनके प्रिय लड्डुओं का भोग लगाया गया। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद

श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। सिद्धिविनायक मंदिर में 5.51 लाख मोदकों का भोग- श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर स्थित सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में भी गणेश चतुर्थी पर विशेष सजावट की गई। भगवान गणेश को आकर्षक श्रृंगार कराया गया। यहां 5.51 लाख मोदकों का भोग लगाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए और भोग के रूप में चढ़ाए गए मोदकों का प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से लेकर शाम तक शहर के अलग-अलग हिस्सों में गणेश स्थापना और पूजा-अर्चना का दौर चलता रहा। घरों के साथ व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी विधि-विधान से गणेशजी की स्थापना की गई। इसके साथ ही शहर में गणेश उत्सव की शुरुआत हो गई और आने वाले दिनों में विभिन्न गणेश पंडालों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे।



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया है कि तराना तहसील के ग्राम हड़गढ़ निवासी दिलीप मालवीया एवं जशोदा मालवीया का 6 माह का बेटा हियांश कटे होंठों की जन्मजात विकृति लेकर पैदा हुआ था। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा समय पर पहचान किए जाने के बाद हियांश का निःशुल्क सफल ऑपरेशन करवाया गया। अब हियांश स्वस्थ है और सामान्य बच्चों की तरह मुस्कुरा रहा है। हियांश के पिता दिलीप मालवीया मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

उज्जैन में स्वाइन फ्लू से दूसरी मौत, एक माह में 14 पॉजिटिव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वाइन फ्लू का संक्रमण अब चिंता बढ़ाने लगा है। वर्तमान सीजन में स्वाइन फ्लू से यह दूसरी मौत है। अलखधाम नगर निवासी 75 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने मृतका के स्वजन और आसपास के रहवासियों की जांच कराई थी। जिले में पिछले एक माह के दौरान स्वाइन फ्लू के 14 मरीज पॉजिटिव मिल चुके हैं। सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल के अनुसार अलखधाम नगर निवासी महिला को उपचार के लिए 1 सितंबर को इंदौर रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत में सुधार नहीं होने पर स्वाइन फ्लू की जांच कराई गई। नमूना आरखी गाड़ी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां जांच में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। इसके बाद महिला को अवंती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर उपचार दिया जा रहा था। स्थिति में सुधार होने के बाद उन्हें आइसोलेशन वार्ड में रखा गया, लेकिन 11 सितंबर की रात करीब पौने 12 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार के 4 सदस्य भी संपर्क में थे- महिला के संपर्क में परिवार के चार सदस्य रहे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिवार और पड़ोस के 14 घरों के 57 सदस्यों का सर्वे किया। राहत की बात यह रही कि इनमें किसी में सर्दी, खांसी या बुखार के लक्षण नहीं मिले। विभाग का कहना है कि स्वाइन फ्लू से 19 अगस्त को उज्जैन के खजूरीया निवासी एक महिला की भी मौत हो चुकी है। उसे उपचार के लिए पहले उज्जैन के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, बाद में इंदौर रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। एक माह में 14 संक्रमित, 12 अभी बीमार- स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एक माह के दौरान जिले में 14 मरीज स्वाइन फ्लू पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से दो मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 12 मरीज अभी बीमार हैं। सीएमएचओ डॉ. पटेल का कहना है कि वर्तमान में कोई भी मरीज पॉजिटिव नहीं है।

गणेश चतुर्थी- घरों से प्रतिष्ठानों तक गणपति बप्पा की गूंज

सार्वजनिक स्थानों पर पंडालों में विराजे प्रथम पूजनीय भगवान गणेश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाबा महाकाल की धार्मिक नगरी में प्रथम पूजनीय भगवान गणेश का उत्सव सोमवार सुबह से ही घरों से लेकर प्रतिष्ठानों तक दिखाई दे रहा था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की स्थापना देर शाम तक होती रही। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर पंडालों में भी भव्य गणेश प्रतिमाएं विराजित की गई है।

इस बार भगवान गणेश का 10 दिवसीय उत्सव 12 दोनों का होने से धार्मिक नगरी में उत्साह काफ़ी अधिक दिखाई दे रहा है। सुबह से ही गणपति बप्पा को अपने घर प्रतिष्ठानों तक ले जाने के लिए शहर वासी बाजार में निकल पड़े थे। बैंड बाजे, ढोल धमाके के साथ गणपति बप्पा को ले जाने का क्रम देर शाम तक चलता रहा। शहर में 200 से अधिक स्थानों पर बप्पा को विराजित करने के लिए भव्य पंडाल बनाए गए हैं। 2 दिन पहले ही बप्पा



की प्रतिमाओं का बाजार आगर रोड, देवास गेट, फ्रीजंग सहित अन्य क्षेत्रों में लग चुका था। पंडालों में भव्य और आकर्षक प्रतिमाएं विराजित की गई हैं जिनका स्वरूप कई रूपों में मनमोहक दिखाई दे रहा है। विघ्नहर्ता गणपति बप्पा उत्सव की शुरुआत होते ही उनके प्रिय भोग मोदक के लड्डू के साथ मोतीचूर के लड्डू भी मिष्ठान भंडारों पर तैयार हो चुके हैं।

धार्मिक नगरी में शहर से 6 किलोमीटर दूर भगवान चिंतामन गणेश मंदिर में भी तड़के 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। यहां 12 दिनों तक भगवान गणेश की विशेष आराधना के साथ प्रसाद वितरण किया जाएगा। गणेश चतुर्थी के प्रथम दिन चिंतामन मंदिर में 56 भोग लगाया गया है। शहर के अन्य गणेश मंदिरों में भी आकर्षक

साज सज्जा की गई है। चारों ओर गणपति बप्पा की गूंज सुनाई दे रही है।

बाबा महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार- धार्मिक नगरी में हर चीज त्योहार और उत्सव की शुरुआत बाबा महाकाल के मंदिर से होती है। गणेश चतुर्थी पर भी भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया था। हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा महाकाल के गणेश स्वरूप में दर्शन किए। शासकीय विभागों में भी गणेश स्थापना- शहर के शासकीय विभागों में भी सुबह से ही गणेश स्थापना की तैयारी शुरू हो गई थी दोपहर में नगर निगम, पीएचई विभाग, विकास प्राधिकरण, बिजली विभाग सहित अन्य शासकीय अर्ध शासकीय विभागों में गणेश स्थापना की गई। स्कूलों में भी गणेश प्रतिमाएं विराजित की गई है।



नरेन्द्र मोदी
जन सेवा से
देश सेवा
25 साल
सेवा संकल्प अभियान

सेवा के 25 वर्ष

सुशासन । गरीब कल्याण । राष्ट्र निर्माण

आशीर्वाद का दीया

जिसने जीवन सँवारा, उसे नमन हमारा

एक दीया

आशीर्वाद का, विकसित भारत के संकल्प का,
25 वर्षों की सेवा के सम्मान का

सेवा को साधना मानने वाले

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

के जन्मदिवस के अवसर पर जलाएं आशीर्वाद का दीया

📅 17 सितंबर 2026 ⌚ सायं 07:00 बजे



D111113/26

आइए, एक साथ दीया जलाकर इस विशेष अवसर के सहभागी बनैं।